Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 39 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, सोमवार 10 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हमें पर द्रव्य को नहीं आत्म द्रव्य को मुख्य बनाना चाहिये।

It is edge of knowledge that it is infinite.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मोदी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' को स्मरण किया, स्वतंत्रता सेनानियों के साहस की सराहना की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में उनके साहस और दृढ़ संकल्प को याद किया।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस आंदोलन में शामिल लोगों का बलिदान और संकल्प भारतीयों की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।प्रधानमंत्री ने कहा, ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले सभी लोगों को याद करता हूं। उनका साहस हमेशा हर भारतीय के लिए प्रेरणा बना रहेगा।आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका को याद करते हुए मोदी ने कहा, महात्मा गांधी जी के नेतृत्व से प्रेरित होकर भारत छोड़ो आंदोलन के आह्वान ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा का संचार किया और औपनिवेशिक शासन से मुक्त होने के लिए हमारे लोगों के अटूट संकल्प को प्रतिबिंबित किया।

गौरतलब है कि 'भारत छोड़ो आंदोलन' आठ अगस्त 1942 को बॉम्बे में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी द्वारा 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित होने के बाद

शुरू किया गया था। इसी दौरान श्री गांधी ने करो या मरो का ऐतिहासिक नारा दिया था। यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के खिलाफ सबसे बड़े जन-आंदोलनों में से एक था। औपनिवेशिक अधिकारियों की कड़ी कार्रवाई के बावजूद, देश भर के लोगों ने विरोध प्रदर्शनों, हड़तालों और प्रतिरोध की गतिविधियों में हिस्सा लिया।

आंदोलन शुरू होने के कुछ ही समय बाद ब्रिटिश सरकार ने महात्मा गांधी जी और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं को गरफ्तार कर लिया। नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद, छात्रों, मज़दूरों, किसानों और आम नागरिकों की व्यापक भागीदारी से यह आंदोलन जारी रहा।

यह आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अंतिम चरण की एक निर्णायक घटना बन गया और इसने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने की बढ़ती मांग को स्पष्ट रूप से सामने रखा। दशकों तक चले राजनीतिक लामबंदी और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष के बाद आखिरकार 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आंदोलन के स्थायी महत्व और देश के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले लोगों के साहस को रेखांकित किया।

स्वतन्त्रता दिवस पर मुख्यमंत्री राजधानी के मुख्य कार्यक्रम में करेंगे ध्वजारोहण

- **विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव जिला मुख्यालय में करेंगे ध्वजारोहण**

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आगामी 15 अगस्त, को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में राजधानी रायपुर के पुलिस मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। वहीं मुख्यालय जिला बिलासपुर में केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, दुर्ग में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव तथा बस्तर में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सरगुजा में आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, महासमुंद में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, दंतेवाड़ा में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, कबीरधाम में उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहपण करेंगे। इसी प्रकार रायगढ़ में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, कांकेर में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, जशपुर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, बालोद में श्री स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, बलौदाबाजार में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद श्री विजय बघेल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में सांसद श्री संतोष पांडेय ध्वजारोहण करेंगे। इसी प्रकार कोंडागांव में सांसद श्री भोजराज नाग, बलरामपुर में सांसद श्री चिंतामणि महाराज, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सांसद श्री राधेश्याम राठिया, गरियाबंद में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सक्ती में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद श्री महेश कश्यप, सुकमा में राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी में राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ध्वजारोहण करेंगे। जिला कोरबा में विधायक श्री अमर अग्रवाल, धमतरी में विधायक श्री अजय चंद्राकर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में विधायक श्री धरमजीत सिंह, मुंगेली जिला मुख्यालय में विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले, कोरिया में विधायक श्री भैय्या लाल राजवाड़े और नारायणपुर जिला मुख्यालय में विधायक सुश्री लता उसेंडी स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। इस अवसर पर समस्त मुख्य अतिथि जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

राजनाथ ने सशस्त्र बलों के शौर्य की सराहना की, कहा रक्तदान को संस्कृति बनाए युवा

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर ने देश के रक्षा बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रदर्शन के साथ दुनिया को यह संदेश भी दिया कि देश अपने नागरिकों और महिलाओं के सिंदूर की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि श्री सिंह ने दिल्ली छावनी स्थित बेस अस्पताल में 'सिंदूर महारक्तदान यात्रा' रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों और उनके आकाओं को समाप्त करने की सराहना की और कहा कि भारत पर बुरी नजर डालने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर और रक्तदान अभियान के बीच समानता बताते हुए श्री सिंह ने कहा कि जहां ऑपरेशन सिंदूर ने साहस का प्रदर्शन किया, वहीं इस मेगा शिविर ने करुणा का प्रतिनिधित्व किया। महाराष्ट्र के लगभग 1,000 पहलवानों और खिलाड़ियों ने रक्तदाताओं के रूप में भाग लिया, जबकि शिविर में लगभग 500 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने हिस्सा लिया।

श्री सिंह ने रक्तदान को जीवनदान और महादान बताया तथा जोर देकर कहा कि विज्ञान

और चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद मानव रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प विकसित नहीं हुआ है। उन्होंने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान को एक संस्कृति बनाने का आग्रह किया और कहा कि रक्तदाता और रक्त लेने वाले अपने-अपने तरीके से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं।

उन्होंने युवाओं से फिटनेस को प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया और खेलो इंडिया तथा फिट इंडिया जैसी सरकारी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित महाराष्ट्र की शौर्य और करुणा की परंपरा उसके खिलाड़ियों और पहलवानों के योगदान के माध्यम से जारी है।

तीन बहनों ने एक साथ पास की नीट परीक्षा, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घर पहुंचकर दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। कबीरधाम जिले के नेउर गाँव की तीन प्रतिभाशाली बहनों किरण, ज्योति और सुमन महोबिया ने इस वर्ष नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज नेउर गाँव पहुंच, तीनों छात्राओं से उनके घर पर मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने छात्राओं की माता श्रीमती भगवती महोबिया और पिता श्री राम महोबिया एवं परिजनों से भी मुलाकात की तथा तीनों बेटियों की इस उपलब्धि के लिए पूरे परिवार को बधाई दी और कहा कि एक ही परिवार की तीन बहनों का एक साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफल होना न केवल पूरे परिवार के लिए खुशी का अवसर है, बल्कि क्षेत्र और जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि एक ही घर में रहकर तीन बहनों का एक साथ नीट जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी करना और सफलता हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस सफलता से जिले के

अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि नियमित मेहनत, सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीनों बहनों की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है, जो अपने गाँव या घर पर रहकर सीमित संसाधनों के बीच बड़े लक्ष्य की तैयारी कर रहे हैं। मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने तीनों छात्राओं से उनकी स्कूली पढ़ाई, नीट परीक्षा की तैयारी और आगे की काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से कहा कि अब मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेकर पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें और माता-पिता व परिवार के सपनों को अपने कार्यों और उपलब्धियों से पूरा करें। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छात्राओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर के रूप में शिक्षा पूरी करने के बाद अच्छे संस्थानों और अस्पतालों में कार्य कर अनुभव प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के साथ अपने क्षेत्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी बनाए रखें।

हमर पहुना' में अभिनेता रोहिताश्व गौड़ ने साझा किए 'भाभी जी घर पर हैं' से जुड़े अनुभव

Gen-Z के अधिकारों का समर्थन, अभद्र भाषा पर जताई आपत्ति; वेब सीरीज में सेंसरशिप की वकालत

रायपुर (विश्व परिवार)। लोकप्रिय टीवी धारावाहिक 'भाभी जी घर पर हैं' में मनमोहन तिवारी का चर्चित किरदार निभाने वाले अभिनेता रोहिताश्व गौड़ रविवार को रायपुर प्रेस क्लब के 'हमर पहुना' कार्यक्रम में पहुना बनकर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों से आत्मीय संवाद करते हुए अपने अभिनय सफ़र, मनमोहन तिवारी के किरदार के चयन से लेकर धारावाहिक की लोकप्रियता और बदलते मनोरंजन माध्यमों से जुड़े अनुभव साझा किए।

रोहिताश्व गौड़ ने अपने लोकप्रिय किरदार मनमोहन तिवारी के चयन से जुड़ी कहानी साझा करते हुए बताया कि किस तरह यह किरदार उनके अभिनय सफ़र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। उन्होंने कहा कि 'भाभी जी घर पर हैं' को लगातार 11 वर्षों से दर्शकों का प्यार मिलने के पीछे इसकी सरल, सहज और पारिवारिक कॉमेडी प्रमुख वजह है। धारावाहिक की कहानी गली-मोहल्ले के आम जीवन और रोजमर्रा की परिस्थितियों से जुड़ी होने के कारण दर्शक इससे आसानी से खुद को जोड़ पाते हैं।

रोहिताश्व गौड़ सातवें निर्मल पांडेय स्मृति फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने रायपुर पहुंचे हैं। इसी दौरान उन्हें रायपुर प्रेस क्लब के 'हमर पहुना' कार्यक्रम में पत्रकारों से रूबरू होने का अवसर मिला।

अनीता-अंगूरी के किरदारों में बदलाव का भी पड़ा असर

रोहिताश्व गौड़ ने धारावाहिक में अनीता भाभी और अंगूरी भाभी के किरदार निभाने वाली अभिनेत्रियों में हुए बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक किसी किरदार को निभाने वाली अभिनेत्री के बदल जाने से दर्शकों का उस किरदार के साथ बना भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। कलाकार बदलने पर दर्शकों का किरदार से संपर्क कुछ हद तक टूटता है और इसका असर धारावाहिक की लोकप्रियता पर भी पड़ सकता है।

हालांकि उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कलाकारों में बदलाव के बावजूद 'भाभी जी घर पर हैं' की विषय-वस्तु और इसके मूल किरदारों से दर्शकों का जुड़ाव आज भी बना हुआ है।

त्रद्बठ्ठ-ं के प्रदर्शन को बताया अधिकार, भाषा पर जताई आपत्ति

वर्तमान समय में त्रद्बठ्ठ-ं द्वारा अपनी मांगों को लेकर किए जा रहे प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया देते हुए रोहिताश्व गौड़ ने कहा कि अपनी मांगों और अधिकारों के लिए आवाज उठाना युवाओं का अधिकार है। हालांकि उन्होंने प्रदर्शन के दौरान अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई।

उन्होंने कहा कि पिछली पीढ़ियों में भाषा और सामाजिक मर्यादा को लेकर विशेष ध्यान रखा जाता था। युवाओं को अपनी बात मजबूती से रखनी चाहिए, लेकिन भाषा की गरिमा और सामाजिक संस्कारों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

वेब सीरीज में भाषा पर नियंत्रण और सेंसरशिप के पक्ष में

वेब सीरीज को सिनेमा और टेलीविजन के बाद मनोरंजन का नया और प्रभावशाली माध्यम बताते हुए रोहिताश्व गौड़ ने कहा कि इस माध्यम ने दर्शकों को मनोरंजन के नए विकल्प दिए हैं। हालांकि उन्होंने वेब सीरीज में इस्तेमाल होने वाली आपत्तिजनक भाषा को लेकर चिंता जताई और भाषा पर नियंत्रण तथा आवश्यक सेंसरशिप की जरूरत का समर्थन किया।

आसिफशेख से दोस्ती और धारावाहिक की यादें साझा कीं

'भाभी जी घर पर हैं' में अपने लंबे सफ़र को याद करते हुए रोहिताश्व गौड़ ने कहा कि इस धारावाहिक ने उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार देने के साथ कई अच्छे रिश्ते भी दिए। उन्होंने धारावाहिक में विभूति नारायण का किरदार निभाने वाले अभिनेता आसिफ शेख को अपना करीबी मित्र बताया और उनके साथ जुड़ी कई आत्मीय यादें साझा कीं।

'हमर पहुना' कार्यक्रम में रोहिताश्व गौड़ के साथ उनकी पत्नी रेखा गौड़ भी मौजूद रहीं।

इस अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू, भूपेश जांगड़े, वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश शर्मा एवं राजेंद्र निगम, मिनल शर्मा सहित कार्यकारिणी सदस्य संदीप पुराणिक, जाकिर घुड़सेना, चंदन साहू, संतोष साहू, नीरज मिश्रा और संजीव सिन्हा उपस्थित रहे।

'हमर पहुना' कार्यक्रम में रोहिताश्व गौड़ ने पत्रकारों के सवालों के सहज और रोचक अंदाज में जवाब दिए। कार्यक्रम में सिनेमा, टेलीविजन, अभिनय और बदलते मनोरंजन माध्यमों को लेकर सार्थक एवं आत्मीय संवाद हुआ।

असम के बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए छत्तीसगढ़ सरकार देगी 5 करोड़ रुपये

रायपुर (विश्व परिवार)। असम में बाढ़ से उत्पन्न गंभीर परिस्थितियों के बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मानवीय संवेदना और अंतरराज्यीय सहयोग की भावना के साथ बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह राशि असम में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आज असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा से दूरभाष पर चर्चा कर राज्य में बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी ली।

उन्होंने बाढ़ के कारण प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में छत्तीसगढ़ की जनता असम के अपने भाई-बहनों के साथ पूरी एकजुटता से खड़ी है।

आई टी आई बस्तर में राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन, आईटीआई पासआउट युवाओं का होगा पंजीयन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। जिले के अंतर्गत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बस्तर में कल 10 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर उद्योगों का ईस्टेबिल्समेंट रजिस्ट्रेशन सहित आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं का पंजीयन किया जाएगा। संस्था के प्राचार्य ने उक्त राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेले में सभी आईटीआई पासआउट युवाओं समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर लाभान्वित होने का आग्रह किया है।

नवकार जाप ग्रुप का 32वां आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। सकल जैन समाज की गरिमामय उपस्थिति में सकल जैन समाज देवपुरी-कमल विहार ने रायपुर नवकार जाप ग्रुप के प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को प्रातः 9 से 9:48 बजे तक आयोजित होने वाले महामंत्र नवकार के जाप का 32 वां आयोजन देवनगर, देवपुरी में सान्नद संपन्न कराया। रायपुर का नया क्षेत्र होने के कारण अधिकांश जैन परिवार यहां बाहर से आकर निवास कर रहे हैं स्थानीय संघ ने इस प्रयास को जैन एकता व परिवारों के सार-संभाल के लिए सार्थक बताते हुए भूरी भूरी अनुमोदना नवकार जाप ग्रुप के प्रति व्यक्त की। नवकार जाप में आशीष जैन, राजेन्द्र पारख, वीरेंद्र डागा, अनिल बरडिया, निर्मल लुनिया, अभय दुग्गड, मनोज पारख, दीपक कवाड़, निकुंज साचला उपस्थित रहे।

आदिवासी दिवस पर जगदलपुर में निकली विशाल रैली, हजारों आदिवासी हुए शामिल

जगदलपुर (विश्व परिवार)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को जगदलपुर में आदिवासी समाजों द्वारा एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं, रीति-रिवाजों तथा सामाजिक एकता का प्रदर्शन किया। रैली में शामिल लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर आदिवासी संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित किया। विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग बड़ी संख्या में रैली में शामिल हुए। शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली इस रैली ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर

आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समुदाय की संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में एकता और भाईचारे का संदेश देना रहा। रैली के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक अपनी परंपराओं को पहुंचाने का संकल्प भी लिया।कार्यक्रम में बस्तर क्षेत्र के विभिन्न गांवों और समुदायों के लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन के दौरान उत्सव जैसा माहौल बना रहा और विश्व आदिवासी दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

बस्तर में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियाँ, 10 से 15 अगस्त तक गूंजेगा 'जय हिंद' और तिरंगा यात्रा

जगदलपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बस्तर जिले में राष्ट्रभक्ति और जन-जागरूकता की एक अभूतपूर्व लहर देखने को मिलेगी, इस दिशा में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल, संकुल एवं विकासखण्ड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु व्यापक तैयारी कर ली गई है। 10 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक विद्यालय, संकुल, विकासखंड तथा ग्राम पंचायत स्तर पर विविध देशभक्ति कार्यक्रमों एवं तिरंगा यात्राओं का एक वृहद रूपरेखा तैयार किया गया है। इस छह दिवसीय विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता से आम नागरिकों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा अमर शहीदों के प्रति सम्मान की भावना को और प्रगाढ़ बनाना है। देश की आज़ादी से जुड़ी इस भव्य आयोजन का आगाज़ 10 अगस्त को विद्यालय स्तर पर देशभक्ति थीम पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिताओं के साथ होगा, जहाँ छात्र-छात्राएं अपनी कला के माध्यम से राष्ट्रीय प्रतीकों को उकेरेंगे और इसके तुरंत बाद विद्यालय स्तर पर तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

इसके अगले दिन यानी 11 अगस्त को संकुल स्तर पर विद्यार्थियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा साइकिलों से देशभक्ति के नारे लगाते हुए एक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जो पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के रंगों से सराबोर कर देगी। 12 अगस्त को यह यात्रा और बड़े पैमाने पर पहुंचेगी, जहाँ संकुल स्तर से लेकर विकासखंड मुख्यालय तक स्कूली छात्र-छात्राएं अनुशासित पंक्तियों में तिरंगा ध्वज थामे पदयात्रा करेंगे। इस बारे में जिला शिक्षा अधिकारी श्री बीआर बघेल ने बताया कि उक्त आयोजन के क्रम को आगे बढ़ाते हुए 13 अगस्त को विकासखंड स्तरीय भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा, जो विकासखंड मुख्यालय से निकलकर क्षेत्र के किसी विशेष शहीद स्मारक तक पहुंचेगी, जहाँ देश के वीर बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या यानी 14 अगस्त को संध्या के समय प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर हाथ में मशाल और तिरंगा लिए देशभक्ति के नारों के साथ 'तिरंगा मशाल पदयात्रा' निकाली जाएगी। इस मशाल यात्रा के समापन पर एक विशेष जनसभा आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभक्ति गीत, काव्यपाठ और प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे। अंततः 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मुख्य अवसर पर सभी विद्यालयों में पूरे हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहण के पश्चात प्रभात फेरी निकाली जाएगी। देशभक्ति के गगनभेदी नारों के बीच सभी विद्यालयों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

अनाथालय के प्यारे बच्चों के साथ फ्रेंडशिप डे मनाया

रायपुर (विश्व परिवार)। कार्यक्रम की शुरुआत हमारे प्रतिभाशाली इंटरैक्टर्स द्वारा प्रस्तुत लाइव म्यूज़िकल बैंड से हुई, जिसने पूरे माहौल को ऊर्जा और खुशी से भर दिया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक फ्रेंडशिप बैंड मेकिंग, टी-शर्ट पेंटिंग, मज़ेदार खेलों और क्रिएटिव वॉल में हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने अपनी कल्पनाओं, भावनाओं और संदेशों को रंगों के माध्यम से व्यक्त किया।

*दिन का समापन बच्चों को स्टेशनरी और उपहार वितरित करके हुआ, जिसने उनके चेहरों पर अनगिनत मुस्कुराहटें ला दीं। उन्हें हँसते, खेलते, कुछ नया बनाते और हर पल का आनंद लेते देखना इस पूरे आयोजन को सचमुच यादगार बना गया।

इस खूबसूरत पहल में 35+ रोटेरियन्स, इंटरैक्टर्स और वॉलंटियर्स की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। सभी के समर्पण, सहयोग और टीमवर्क ने इस आयोजन को शानदार सफलता दिलाई।*फ्रेंडशिप डे मनाने से कहीं बढ़कर, हमने इस दिन दोस्ती, करुणा, समावेशिता और देने की खुशी जैसे खूबसूरत मूल्यों का जश्न मनाया।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान है : जसविंदर बग्गा

कवर्धा रायपुर (विश्व परिवार)। बोड़ला के हिन्दू संगम स्थल में भाजपा बोड़ला मंडल की कार्यशाला संपन्न हुई जिसमें भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और मंडल प्रभारी जसविंदर बग्गा ने 'हर घर तिरंगा अभियान' एवं 'तिरंगा यात्रा' को लेकर विस्तृत जानकारी दी। कार्यकर्ताओं से विमर्श करते हुए जसविंदर बग्गा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर यह अभियान आजादी के गौरव और प्रतीक तिरंगा को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हर घर पर तिरंगा फहराकर हम उन वीर शहीदों को नमन करते हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव, गली गली जाकर नागरिकों को तिरंगा वितरित कर उन्हें घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करेंगे। यह अभियान भारतवासियों में ध्वज के प्रति सम्मान व देश के प्रति देशभक्ति की भावना जगाने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष भी 11 से 15 अगस्त, 2026 तक पार्टी कार्यकर्ता अभियान में व्यापक भागीदारी करेंगे। इस दौरान प्रत्येक घर, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए जनजागरण किया जाएगा। युवाओं एवं विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति के प्रति जागरुकता लाई जाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता विदेशी धुर्वे ने कहा, तिरंगा शांति और सद्भाव का प्रतीक है। हम बलिदानी क्रांतिकारियों और महापुरुषों को याद करते हुए देशभक्ति की भावना जागृत करेंगे। मंडल भाजपा अध्यक्ष मोहन धुर्वे ने कहा, बूथ स्तर तक जाकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाना है।

11 अगस्त को निकलेगी तिरंगा यात्रा

बैठक में ये भी तय किया गया कि राष्ट्र भाव के जागरण और तिरंगा के सम्मान को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बोड़ला नगर में आने वाले 11 अगस्त को एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा. यह यात्रा दोपहर 1 बजे प्रारम्भ होगी. इस यात्रा में बोड़ला मंडल के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ साथ आम नागरिक गण, व्यापारी, किसान, विद्यार्थी, खिलाड़ी और राष्ट्र प्रेमी नागरिक शामिल होंगे.

श्रावण शनिवार को रेल्वे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर में उमड़ा जनसैलाब

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर का रेलवे स्टेशन परिसर शनिवार को भक्ति, सेवा और सर्व धर्म समभाव के अद्भुत दृश्य का साक्षी बना। 'श्री सर्व धर्म संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति' द्वारा वर्ष 2009 से चलाए जा रहे अनवरत महाभंडारे की श्रृंखला में श्रावण मास के पवित्र शनिवार को भव्य महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। शास्त्रों में श्रावण मास के दौरान दिए जाने वाले अन्नदान और भंडारे का विशेष पौराणिक व आध्यात्मिक महत्व वर्णित है। इसी पावन परंपरा का निर्वहन करते हुए समिति द्वारा प्रातः 11 बजे से संध्या तक दो चरणों में विशाल महाभंडारे का सफ़ल आयोजन किया गया।

महाभंडारे का प्रथम चरण दोपहर 11 बजे रेलवे स्टेशन परिसर स्थित कार्यालय में प्रारंभ हुआ, जो दोपहर 4 बजे तक अनवरत चलता रहा। इसके पश्चात द्वितीय चरण की शुरुआत शाम 5 बजे श्री सर्व धर्म संकट मोचन हनुमान मंदिर प्रांगण में हुई जो देर रात तक चलती रही । बारिश में भी श्रद्धालुजन भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते रहे ।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर समिति के संस्थापक एवं प्रमुख समाजसेवी कुबेर राठी ने संपूर्ण विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संकट मोचन श्री हनुमान जी महाराज की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने महाबली बजरंगबली के चरणों में शीश नवाकर समस्त छत्तीसगढ़ प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और निरंतर खुशहाली की मंगल कामना की। आरती और पूजा के पश्चात संस्थापक कुबेर राठी द्वारा महाभंडारे का शुभारंभ किया गया।

इस ऐतिहासिक महाभंडारे की सबसे बड़ी विशेषता इसका अनवरत स्वरूप है। ग्रीष्म की तपिश हो, मूसलाधार बारिश हो या कड़ाके की ठंड,वर्ष 2009 से प्रारंभ हुआ यह सेवा का महायज्ञ आज तक एक भी शनिवार को नहीं रुका है। मंदिर प्रांगण में न कोई भेदभाव है और न ही कोई सामाजिक दूरी,यहाँ हर धर्म, वर्ग और जाति के लोग एक साथ बैठकर प्रभु का पावन भोग प्रसाद ग्रहण करते हैं और सामाजिक समरसता की अनुपम मिसाल पेश करते हैं।

प्रभु सेवा के इस अलौकिक अवसर पर संस्थापक एवं समाजसेवी कुबेर राठी ने कहा कि यह कार्य किसी

मनुष्य के वश की बात नहीं है, यह तो साक्षात भगवान बजरंगबली जी की असीम कृपा और आशीर्वाद है कि उन्होंने मुझे और हमारी समिति को इस पवित्र कार्य के योग्य समझा। अन्नदान ही सबसे बड़ा धर्म है और जब प्रभु हनुमान जी की प्रेरणा साथ हो, तो हर विषम परिस्थिति में भी यह सेवा पथ सुगम हो जाता है। वर्ष 2009 से शुरू हुआ यह सफ़र आज शहर के जन-जन की आस्था का केंद्र बन चुका है। प्रभु की कृपा जब तक बनी रहेगी, यह अनवरत महाभंडारा इसी तरह बिना रुके, बिना थमे हर शनिवार को चलता रहेगा। हमारा एकमात्र उद्देश्य यही है कि स्टेशन पर आने वाला कोई भी यात्री या श्रद्धालु भूखा न रहे और सभी को संकट मोचन हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो।

संस्थापक एवं समाजसेवी कुबेर राठी ने आगे कहा कि यह अत्यंत सिद्ध और जाग्रत मंदिर है, जहाँ आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता और यहाँ सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना को भगवान बजरंगबली जी अवश्य पूर्ण करते हैं।

उन्होंने संकटमोचक श्री हनुमान जी की महिमा का बखान करते हुए इस पावन दोहे के माध्यम से अपनी बात रखी कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहीं होइ तात तुम पाहीं॥

संस्थापक एवं समाजसेवी राठी ने विस्तार देते हुए कहा कि महाबली हनुमान जी के द्वार पर जो भी श्रद्धालु अपनी पीड़ा और श्रद्धा लेकर आता है, प्रभु उसके सभी कष्ट हरकर जीवन में सुख-समृद्धि का संचार करते हैं । इसी अटूट विश्वास और दैवीय प्रेरणा के बल पर यह पावन धाम जन-जन की आस्था का केंद्र बना हुआ है और यहाँ निरंतर सेवा का महायज्ञ प्रज्वलित हो रहा है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

सूरजपुर

रायपुर, सोमवार 10 अगस्त 2026

बाबूलाल अग्रवाल और संस्कार अग्रवाल को मिला राष्ट्रीय संगठनात्मक सम्मान

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- राजनीति में सम्मान केवल पद या पहचान से नहीं मिलता, बल्कि वर्षों तक संगठन के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए मौन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से अर्जित होता है। जब किसी कार्यकर्ता की तपस्या को प्रदेश की सीमाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता मिलती है, तो वह सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रहती, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन जाती है। ऐसा ही गौरवपूर्ण क्षण सूरजपुर के लिए तब आया, जब भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल के शीर्ष नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव के दौरान संगठन के लिए किए गए उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं निवर्तमान जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल तथा भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला मंत्री संस्कार अग्रवाल को विशेष प्रशस्ति पत्र भेजकर सम्मानित किया।

कोलकाता स्थित भाजपा पश्चिम बंगाल प्रदेश कार्यालय से स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजे गए इस प्रशस्ति पत्र पर प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के हस्ताक्षर अंकित हैं। पत्र में दोनों नेताओं ने

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियान और अंतिम पंक्ति तक संगठन की ऊर्जा पहुंचाने में बाबूलाल अग्रवाल एवं संस्कार अग्रवाल की भूमिका की मुक्तकंठ से सराहना की है।

प्रशस्ति पत्र के अनुसार दोनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान लोकसभा क्षेत्र तथा बर्धमान जिले के अंतर्गत आने वाले गल्सी विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय तक प्रवास कर बूथ के अंतिम स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करने तथा भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा और जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी उनका अनुशासित, निस्वार्थ और परिणामोन्मुख कार्य संगठन के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि किसी भी राजनीतिक संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। बाबूलाल अग्रवाल और संस्कार अग्रवाल ने अपने सेवा-भाव, अनुशासन और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा से इस विश्वास को और मजबूत किया है। चुनावी अभियान के दौरान दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, मध्य क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, पूर्व मंत्री एवं रायपुर विधायक वरिष्ठ नेता राजेश मुड़त व राहुल योगराज टिकरिया के मार्गदर्शन में संगठनात्मक योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारते हुए कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया तथा मतदाताओं तक पार्टी की नीतियों और विकास के संकल्प को प्रभावशाली तरीके से पहुंचाया।

भाजपा पश्चिम बंगाल नेतृत्व ने दोनों नेताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि वे भविष्य में भी राष्ट्रहित, समाजहित और संगठन हित को सर्वोपरि रखते हुए भारतीय जनता पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। साथ ही उनके अनुभव, सुझाव और संगठनात्मक दृष्टि को पार्टी की अमूल्य धरोहर बताते हुए भविष्य में भी उनके मार्गदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

स्थानीय राजनीतिक जानकारों का मानना है कि किसी दूसरे राज्य के प्रदेश नेतृत्व द्वारा छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं को इस प्रकार औपचारिक प्रशस्ति पत्र भेजा जाना केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि समर्पित कार्यकर्ता संस्कृति और संगठनात्मक मूल्यों का राष्ट्रीय स्तर पर किया गया सम्मान है। यह उन हजारों कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणा का संदेश है, जो बिना किसी व्यक्तिगत अपेक्षा के संगठन और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से लगातार कार्य करते हैं।

इस सम्मान की जानकारी मिलते ही सूरजपुर सहित पूरे जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने इसे बाबूलाल अग्रवाल एवं संस्कार अग्रवाल के वर्षों के समर्पित संगठनात्मक जीवन का राष्ट्रीय सम्मान बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल दो व्यक्तियों की नहीं, बल्कि पूरे सूरजपुर जिले और छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। यह सम्मान एक बार फिर साबित करता है कि संगठन के लिए किया गया निस्वार्थ परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता, बल्कि समय आने पर वही समर्पण सम्मान बनकर पूरे समाज के सामने मिसाल बन जाता है।

संक्षिप्त समाचार

न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आज आठवां दिन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-फुटबॉल का आज आठ वें दिन एकता स्टेडियम विश्रामपुर में आयोजित न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट के आठवें दिन के पहले मैच में कार्मेल कान्वेंट इंग्लिश मीडियम विश्रामपुर विजयी रही। जबकि दूसरे रोमांचित मैच पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर और पीएम श्री जयनगर के बीच खेले गए मैच 1-1 से बराबर रहा। मुख्य अतिथि के रूप में चांदीराम अग्रवाल समाजसेवी जो बिश्रामपुर के विभिन्न जगह पर लोगों के लिए वाटर कूलर अपने सौजन्य से प्रदान किए हैं। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में सार्थक अग्रवाल व्यवसायी, सीमांचल त्रिपाठी, चंद्र प्रसाद यादव, सुभाष यादव व दोनों टीमों के कोच पी,के,वैदय और सोमेश लामा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मैच का सीधा प्रसारण की भूमिका में उग्रसेन केसरी और प्रकाश कुर्रे रहे। आयोजन समिति की ओर से जैन स्पोर्ट्स के संचालक राजेश जैन तथा ब्राइट स्टार फुटबॉल क्लब के सभी सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। दोनों टीमों के समर्थन में दशकों में काफी उत्साह देखी गई। सभी अपने-अपने चहेते टीमों के लिए खिलाड़ियों में ऊर्जा प्रदान करते रहे।

जनभावनाओं को ध्यान में रख कर अंबिकापुर निजामुद्दीन एक्सप्रेस को विश्रामपुर में जल्द करे ठहराव - अमित मित्तल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-अंबिकापुर-निजामुद्दीन अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन का विश्रामपुर स्टेशन पर ठहराव न होने से जनता में काफी आक्रोश है जिसे रेल्वे विभाग को पहल कर समस्या का निदान करना चाहिए। उक्त बाते भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अमित मित्तल ने कही

भाजपा नेता अमित मित्तल ने आगे कहा कि विश्रामपुर : अंबिकापुर से हज़रत निजामुद्दीन जाने वाली अंबिकापुर-निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस का विश्रामपुर रेलवे स्टेशन पर ठहराव (स्टॉपेज) न दिए जाने के कारण क्षेत्रीय नागरिकों और यात्रियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। रेल संघर्ष समिति की मांगो का समर्थन करते हुए रेलवे प्रशासन से अति शीघ्र विश्रामपुर में ट्रेन के ठहराव की मांग करता हुं।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, जेड फोल्ड8, जेड फ्लिप8, वॉच अल्ट्रा2 और वॉच9 की बिक्री शुरू की

गुरुग्राम: सैमसंग के आठवीं जेनरेशन के फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 के साथ नए वियरेबल्स गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा2 और गैलेक्सी वॉच9 आज से भारतभर के रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। ग्राहक इन डिवाइसेज़ को Samsung.com, अमेज़न और फ्लिपकार्ट से भी खरीद सकते हैं। भारतीय ग्राहकों के बीच नई गैलेक्सी फोल्ड8 सीरीज़ को शानदार प्रतिक्रिया मिली है। लॉन्च के महज 72 घंटों के भीतर गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 के लिए सैमसंग को 2.71 लाख प्री-ऑर्डर मिले। गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा में 8 इंच का बड़ा मेन डिस्प्ले है और इसकी मोटाई केवल 4.1 मिमी है, जिससे यह अब तक का सैमसंग का सबसे पतला फोल्ड स्मार्टफोन बन गया है। इसमें एचडीआर के साथ 200एमपी का मुख्य कैमरा और बेहतर नाइटोग्राफी तकनीक वाला नया 50एमपी अल्ट्रा-वाइड लेंस है, जो हर तरह की रोशनी में अधिक डिटेल कैप्चर करता है। यह स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 8 एलिट जेन 5 फॉर गैलेक्सी प्रोसेसर से लैस है। इसमें 5000mAh की बैटरी है, जो 45W फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। सिर्फ 201 ग्राम वज़न और 4800mAh की बैटरी के साथ गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अब तक का सबसे हल्का गैलेक्सी जेड फोल्ड है। इसका नया फ्लेक्स टाइटैनियम डिस्प्ले स्ट्रक्चर स्क्रीन की क्रीज़ को कम दिखाई देने वाला बनाता है और मजबूती भी बढ़ाता है। इसका मुख्य डिस्प्ले 3000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस देता है। डुअल 50MP कैमरा सिस्टम, ड्यूअल रिकॉर्डिंग और माई फैनकैम जैसे फीचर्स अलग-अलग परिस्थितियों में कंटेंट शूट और एडिट करना आसान बनाते हैं।

साधु राम विद्या मंदिर की अंतर-विद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

अंडर-14 में डीपीएस संबलपुर और अंडर-19 में जे.बी. इंटरनेशनल स्कूल कांकेर बना चैंपियन

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) साधु राम विद्या मंदिर, सूरजपुर में आयोजित इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता का फाईनल मुकाबला शनिवार को स्कूल के फुटबॉल ग्राउंड में उत्साह, रोमांच और खेल भावना के माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि स्कूल के एमडी डॉ. राहुल अग्रवाल उपस्थित रहे। उनके द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया और उज्ज्वल भविष्य की कामना कर सभी प्रतिभागियों को आयोजन में शिरकत करने की बधाई दी।

अंडर-14 वर्ग के फाइनल मुकाबले में डीपीएस संबलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑलवन्स पब्लिक स्कूल, बेमेतरा को 2-0 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस वर्ग में ऑलवन्स पब्लिक स्कूल, बेमेतरा उपविजेता रहा।

वहीं अंडर-19 वर्ग के रोमांचक फाइनल में जे.बी. इंटरनेशनल स्कूल, कांकेर ने डीपीएस छिंदवाड़ा को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। डीपीएस छिंदवाड़ा को उप विजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा।

समापन समारोह के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय परिसर तालियों और विजयी नारों से गूंज उठा। मंच संचालन दीपक पटले और दीपक वासुले ने प्रभावशाली ढंग से किया।

इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्राचार्या खुशबू सिंह, उप-प्राचार्य दीनदयाल तिवारी सहित सभी प्रतिभागी टीमों के कोच तथा साधु राम विद्या मंदिर के शिक्षक-शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अतिथियों ने खिलाड़ियों की खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार के सहयोग और सुव्यवस्थित आयोजन के कारण प्रतियोगिता का सफल एवं गरिमामय समापन हुआ।

विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी कन्या परिसर चम्पक नगर में विधिक जागरूकता शिविर

छात्राओं को दी गई कानूनी अधिकारों की जानकारी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर द्वारा आदिवासी आवासीय कन्या परिसर विद्यालय, चम्पकनगर सूरजपुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर श्री थॉमस एक्का के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक कोर्ट श्री आनंद प्रकाश वारियाल मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित छात्राओं, अभिभावकों एवं अन्य उपस्थितजनों को कानून के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी सरल एवं सहज भाषा में प्रदान की।

विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए न्यायाधीश श्री वारियाल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समुदायों के योगदान को सम्मानित करने तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 23 दिसंबर 1994 को प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद से यह दिवस निरंतर मनाया जा रहा है।

शिविर में उन्होंने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण कानून है तथा बालक और बालिका दोनों पर समान रूप से लागू होता है। उन्होंने बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी अनुचित घटना की स्थिति में विश्वसनीय व्यक्ति एवं संबंधित प्राधिकरण को तत्काल जानकारी देने के लिए प्रेरित किया। किशोर न्याय अधिनियम के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 16 से 18 वर्ष आयु के किशोर द्वारा जघन्य अपराध किए जाने के मामलों में कानून के अंतर्गत विशेष प्रक्रिया का प्रावधान है।

कार्यक्रम के दौरान मध्यस्थता 3.0 अभियान एवं लोक अदालत के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। न्यायाधीश श्री वारियाल ने बताया कि मध्यस्थता एवं लोक अदालत के माध्यम से विवादों का आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है, जिससे समय एवं धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे यह जानकारी अपने माता-पिता तथा परिवार के बड़े सदस्यों तक भी पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इन वैकल्पिक विवाद समाधान व्यवस्थाओं का लाभ उठा सकें। इसके साथ ही उन्होंने मोटर व्हीकल एक्ट के प्रमुख कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने, वाहन का बीमा कराने तथा वैध ड्राइविंग लाइसेंस रखने के महत्व को समझाया और छात्राओं से अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। शिविर में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों तथा बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई और विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली निःशुल्क सेवाओं से भी उपस्थितजनों को अवगत कराया गया। छात्राओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कैरियर गाइडेंस पर भी चर्चा की गई तथा उन्हें शिक्षा के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती मंजू एक्का, पीएलवी श्री सत्य नारायण, श्री उमेश कुमार राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य आदिवासी समुदाय के बच्चों एवं उनके परिवारों को उनके कानूनी अधिकारों, संरक्षणात्मक कानूनों एवं निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें कानून के प्रति सजग एवं सशक्त बनाना रहा।

लाईफलाईन एक्सप्रेस शिविर का आयोजन बिश्रामपुर में 16 अगस्त से पॉच सितम्बर तक -विजयराज अग्रवाल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-इम्पैक्ट इण्डिया फाउण्डेशन के द्वारा लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर का आयोजन बिश्रामपुर के रेलवे स्टेशन परिसर मे आगामी 16 अगस्त से 5 सितम्बर तक किया जा रहा है। लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर का आयोजन बिश्रामपुर में पांचवी बार किया जा रहा है। विजयराज अग्रवाल ने इस शिविर के आयोजन का प्रस्ताव जून माह 2026 में नवीन कलेक्टर रेना जामिल को एक आग्रह पत्र लिखकर लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर को लाने का निवेदन कलेक्टर महोदया के सामने रखा था और अत्यंत हर्ष का विषय है कि उनके इस प्रस्ताव को स्वीकार किया गया। विजयराज अग्रवाल के द्वारा जून माह 2026 में नवीन कलेक्टर रेना जामिल को एक आग्रह पत्र लिखकर लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर को लाने का निवेदन किया जिस पर कलेक्टर महोदया ने त्वरित रुचि दिखाते हुए लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर लाने की सहमति देने के पश्चात बिश्रामपुर में लाईफ्लाईन ट्रेन बिश्रामपुर के प्लेटफार्म नम्बर 02 पर पहुंच गयी है। विजयराज अग्रवाल ने आगे कहा कि कलेक्टर महोदया की त्वरित कार्यवाही करने से सूरजपुर जिले और सरगुजा संभाग के हजारों रोगियों को इसका लाभमिलेगा। उन्होने बताया कि इम्पैक्ट इण्डिया फाउण्डेशन के सीनियर आफिसर डा0 वी. मनोहर रेड्डी के साथ जिला पंचायत भवन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर के साथ सभी विभागों के प्रतिनिधि एवं पंचायत प्रतिनिधियों के साथ इस बैठक में शामिल हुआ और

शिविर के क्रियान्वयन और सफलता के लिये गहन परिचर्चा के बाद महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक के पश्चात सभी पंचायतों में इस आशय की सूचना प्रसारित करने के निर्देश दिये गये। इस संबंध में विजयरांज अग्रवाल ने बताया कि वे स्वयं और उनकी टीम लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर के प्रत्येक आयोजन में पूर्ण समर्पित भाव से सेवा कार्य किया है और आगे भी निरंतर प्रयासरत रहेगें। विजयराज अग्रवाल ने बताया कि इस लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 अगस्त 2026 से 21 अगस्त 2026 तक आँख के मरीजों की जाँच की जायेगी और जिनको मोतियाबन्द की समस्या है, उनकी सर्जरी की जावेगी। 22 अगस्त 2026 से 27 अगस्त 2026 तक कान के मरीजों की जाँच की जावेगी और कान की सर्जरी की जावेगी। 28 अगस्त 2026 से 31 अगस्त 2026 तक मुड़े हुए हाथ पैर का परिक्षण किया जावेगा और 18 वर्ष से कम आयु के मरीजों की सर्जरी भी की जावेगी। इसी अवधि में कटे-फटे होंठ एवं जलने के बाद संकुचन के मरीजों की जाँच की जावेगी और उनकी सर्जरी भी की जावेगी 101 सितम्बर 2026 से 05 सितम्बर 2026 तक दाँत के मरीजों की जाँच एवं उपचार किया जावेगा। इसके अतिरिक्त 16 अगस्त से 21 अगस्त तक स्त्री रोग (स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच एवं स्क्रीनिंग) की जांच भी की जावेगी। लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर में ओ.पी.डी. का समय प्रात: 09 बजे से शायं 04 बजे तक होगा। विजयराज अग्रवाल ने बताया कि ये शिविर पुर्णत: नि:शुल्क होगा, मरीजों की जाँच एवं सर्जरी के लिये कोई भी शुल्क नही लिया जावेगा। जांच एवं उपचार के लिये मरीजों को अपने साथ आधार कार्ड और एक अन्य पहचान पत्र जैसे वोटर कार्ड, राशन कार्ड, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस लाना अनिवार्य होगा और मरीजो के साथ केवल एक सहयोगी को रहने की अनुमति होगी। उन्होने आगे बताया कि कलेक्टर महोदया, रेंना जामिल के कुशल निर्देशन में जिला प्रशासन सूरजपुर के तत्वाधान में लाईफ्लाईन एक्सप्रेस शिविर की सफलता के लिये हर विभाग कमर कस के तैयार है और शिविर स्थल पर भी युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, सोमवार 10 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

स्थायी वोट बैंक पाला बदलने पर यूँ ही मजबूर नहीं होता

नीरज कुमार दुबे

बांकीपुर का जनादेश इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी साधारण विधानसभा क्षेत्र का चुनाव नहीं था। यह वही इलाका है जहां मुख्यमंत्री आवास, राजभवन, विधानसभा, सचिवालय और सत्ता के तमाम केंद्र मौजूद हैं। भाजपा का प्रदेश मुख्यालय भी यहीं है। राजनीति में कोई भी दल जब किसी क्षेत्र को अपना अभेद्य किला और वहां के मतदाताओं को अपना स्थायी वोट बैंक मानकर निश्चिंत हो जाता है, तभी उसकी पराजय की पटकथा लिखनी शुरू हो जाती है। लोकतंत्र में जनता किसी की बंधक नहीं होती। वह सत्ता देती भी है और उसी सत्ता के अहंकार को ध्वस्त भी करती है। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव ने इसी लोकतांत्रिक सच को एक बार फिर स्थापित कर दिया है। तीन दशक से अधिक समय तक भाजपा के सबसे सुरक्षित गढ़ माने जाने वाले बांकीपुर में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत मात्र एक उम्मीदवार की जीत नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक मानसिकता की हार है जो यह मान बैठी थी कि कुछ सीटें और कुछ वोट हमेशा के लिए उसके नाम लिखे जा चुके हैं। बांकीपुर का जनादेश इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी साधारण विधानसभा क्षेत्र का चुनाव नहीं था। यह वही इलाका है जहां मुख्यमंत्री आवास, राजभवन, विधानसभा, सचिवालय और सत्ता के तमाम केंद्र मौजूद हैं। भाजपा का प्रदेश मुख्यालय भी यहीं है। लंबे समय से यह सीट भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व का प्रतीक रही है। ऐसे में यहां मिली हार सिर्फ सीट गंवाने की घटना नहीं, बल्कि सत्ता के आत्मविश्वास पर जनता का करारा प्रहार है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस परिणाम के बाद भाजपा के भीतर भी आत्ममंथन शुरू हो गया है। पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि इस चुनाव ने सबसे बड़ा संदेश यह दिया है कि कोर वोट बैंक भी अब स्थायी नहीं रहा। जिस मतदाता को वर्षों तक पार्टी का अटूट समर्थक माना जाता था, उसने इस बार अपना रुख बदलकर बता दिया कि लोकतंत्र में समर्थन किसी दल की जागीर नहीं होता। मतदाता अब काम, व्यवहार और नेतृत्व की शैली के आधार पर फैसला करेगा, न कि केवल पुराने राजनीतिक रिश्तों के आधार पर। यह भी स्वीकार किया जा रहा है कि सत्ता का आत्मविश्वास कई बार अहंकार में बदल जाता है और यही चुनावी हार की सबसे बड़ी वजह बनता है। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह कुछ नेताओं के बयान सामने आए, उन्होंने भी यह संदेश दिया कि पार्टी अपने गढ़ को लेकर अत्यधिक आश्वस्त थी। लेकिन जनता ने मतदान के जरिए यह बता दिया कि किसी भी मतदाता को हल्के में लेने की कीमत राजनीतिक दलों को चुकानी पड़ सकती है। इस हार के पीछे केवल विपक्ष की रणनीति नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर की बेचैनी भी चर्चा का विषय बनी। उम्मीदवार चयन से लेकर संगठनात्मक बदलाव तक कई फैसलों को लेकर असंतोष की बातें सामने आईं। राज्य की सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद पार्टी के अंदर जिस तरह की खींचतान दिखाई दी, उसका असर भी चुनावी परिणामों में झलकता नजर आया। यह संदेश भी साफ है कि मजबूत संगठन होने का दावा तभी तक प्रभावी है, जब तक कार्यकर्ता और स्थानीय नेतृत्व स्वयं को सम्मानित महसूस करे। मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव ने भी लगभग यही कहानी दोहराई। भाजपा के लिए यह हार केवल कांग्रेस की जीत नहीं थी, बल्कि उसके सबसे प्रभावशाली नेताओं में रहे राज्य के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के राजनीतिक प्रभाव पर भी सवाल खड़े कर गई। स्थानीय स्तर पर लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी, टिकट वितरण को लेकर नाराजगी और मिश्रा समर्थक संगठनात्मक ढांचे का पूरी तरह सक्रिय न हो पाना भाजपा पर भारी पड़ा। दूसरी ओर कांग्रेस ने स्थानीय असंतोष, बेरोजगारी, पलायन, खाद की कमी और कथित प्रशासनिक दबंगई जैसे मुद्दों को चुनाव का केंद्र बनाया। पार्टी ने चुनाव को सरकार के पक्ष या विपक्ष की लड़ाई बनाने के बजाय स्थानीय जनभावनाओं से जोड़ा और उसी का लाभ उठाया। साफ है कि मतदाताओं ने यहां भी यह संकेत दिया कि किसी एक नेता की राजनीतिक पकड़ या पुराने प्रभाव के भरोसे चुनाव नहीं जीते जा सकते। वहीं बांकीपुर का संदेश केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। यह उतनी ही बड़ी चेतावनी राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल (यू) और देश के अन्य राजनीतिक दलों के लिए भी है। वर्षों से बिहार की राजनीति जातीय समीकरणों और परंपरागत वोट बैंकों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन इस उपचुनाव ने संकेत दिया है कि मतदाता अब नए विकल्पों को भी मौका देने के लिए तैयार है। यदि कोई दल यह मानकर चल रहा है कि कोई विशेष जाति, वर्ग या क्षेत्र हमेशा उसके साथ रहेगा, तो बांकीपुर का परिणाम उस भ्रम को तोड़ने के लिए पर्याप्त है। बांकीपुर में प्रशांत किशोर की जीत का महत्व भी केवल एक सीट जीतने तक सीमित नहीं है। इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि बिहार की राजनीति में वर्षों से हावी जातीय ध्रुवीकरण के बीच अब विकास, शिक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार और पलायन जैसे मुद्दों के लिए भी राजनीतिक जगह बन रही है। भाजपा के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले शहरी गढ़ में जीत हासिल कर प्रशांत किशोर ने यह साबित किया कि यदि कोई राजनीतिक दल पारंपरिक वोट बैंक की राजनीति से आगे बढ़कर जनता के वास्तविक सरोकारों को लगातार उठाता है, तो वह स्थापित दलों के लिए चुनौती बन सकता है। यह जीत भाजपा के लिए सत्ता के अहंकार के खिलाफ चेतावनी है तो राजद के लिए भी संदेश है कि भाजपा विरोधी राजनीति पर उसका एकाधिकार अब निर्विवाद नहीं रहा। यानी यह परिणाम बिहार की राजनीति में एक नए राजनीतिक विकल्प के उभरने का संकेत भी देता है। यही कारण है कि प्रशांत किशोर की जीत को केवल एक चुनावी सफलता के रूप में नहीं देखा जा रहा। इसे बिहार की राजनीति में एक नए राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में भी देखा जा रहा है। पिछली बार उन्हें चुनावी सफलता भले नहीं मिली थी, लेकिन उन्होंने शिक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार और पलायन जैसे मुद्दों को राजनीतिक बहस के केंद्र में लाने का प्रयास किया था। अब बांकीपुर की जीत ने उन मुद्दों को राजनीतिक वैधता भी प्रदान कर दी है। इस जीत का सबसे बड़ा प्रतीकात्मक महत्व यही है कि यह भाजपा के सबसे मजबूत माने जाने वाले शहरी गढ़ में हासिल हुई। इससे यह संकेत भी मिला कि यदि कोई तीसरी राजनीतिक ताकत जनता के बीच विश्वसनीय विकल्प बनती है, तो बिहार की परंपरागत द्विध्रुवीय राजनीति का समीकरण बदल सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार इस समय नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक पुनर्संरचना के दौर से गुजर रहा है। एक ओर पुराने राजनीतिक चेहरे अपने प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश में हैं, वहीं दूसरी ओर नई राजनीति की मांग भी लगातार मजबूत होती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में बांकीपुर का परिणाम आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के लिए एक मनोवैज्ञानिक संकेत बन गया है। बहरहाल, भारतीय राजनीति लंबे समय तक कोर वोट बैंक की अवधारणा पर टिकी रही है। हर दल अपने कुछ सामाजिक समूहों और क्षेत्रों को अपनी स्थायी राजनीतिक पूंजी मानता रहा। लेकिन बदलते समय का मतदाता अब खुद को किसी दल की स्थायी संपत्ति मानने को तैयार नहीं है। वह सत्ता बदलने से भी नहीं हिचकता और नए चेहरे को मौका देने से भी नहीं डरता। बांकीपुर का जनादेश इसी बदलती राजनीतिक चेतना का सबसे सशक्त उदाहरण है। यह परिणाम बताता है कि लोकतंत्र में जनता अंतिम निर्णायक है। वह किसी भी दल को जितना ऊपर उठा सकती है, उतनी ही तेजी से उसे जमीन पर भी ला सकती है। एक सच्चाई सभी को समझनी होगी कि लोकतंत्र में कोई किला हमेशा के लिए अभेद्य नहीं होता और कोई वोट बैंक हमेशा के लिए किसी का नहीं होता।

अति-समृद्ध' लोगों की संख्या में उछाल

ताजा आय कर आंकड़ों से सामने आया है कि 'अति-समृद्ध' लोगों की संख्या में भारी उछाल आया है। स्पष्टत: यह देश में कुछ ही हाथों में तेजी से धन केंद्रित होते जाने का ठोस प्रमाण है। इनकम टैक्स रिटर्न के ताजा आंकड़ों ने भारत में बढ़ती गैर-बराबरी की फिर पुष्टि की है। बेशक, रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या बढ़ी है और प्रत्यक्ष कर की उगाही बढ़ी है, लेकिन इन आंकड़ों ने बढ़ती विषमता और कर प्रणाली की ढांचागत कमजोरियों पर भी रोशनी डाली है। फिर सामने आया है कि फाइल होने वाले अधिकांश रिटर्न में शून्य कर देनदारी होती है। उसके बाद न्यूनतम इनकम स्लैब में आने वाले व्यक्तियों का स्थान होता है। जबकि वास्तविक करदाताओं की संख्या यथावत (लगभग ढाई करोड़) बनी हुई है। ताजा आंकड़ों से यह जरूर सामने आया कि 100 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय घोषित करने वाले 'अति-समृद्ध' लोगों की संख्या में भारी उछाल आया है। स्पष्टत: यह प्रमाण है कि देश में धन तेजी से कुछ ही हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। आयकर आंकड़ों से उभरा सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि प्रत्यक्ष करों का सबसे बड़ा हिस्सा वेतनभोगी वर्ग से आता है। यह प्रमाण है कि आयकर से संबंधित व्यवस्थागत समस्याएं अभी भी कायम हैं। आमदनी के स्रोत पर ही टैक्स काट लिए जाने की प्रणाली के कारण वेतनभोगी कर्मचारी अपनी आय छिपा नहीं सकते। इसके विपरीत यह आम धारणा है कि कई गैर-वेतनभोगी पेशेवरकर्मी (डॉक्टर, वकील आदि) असल आय की जानकारी नहीं देते और वास्तविक देनदारी से कम टैक्स चुकाते हैं। एक और आंकड़ा गौरतलब है: वित्त वर्ष 2025-26 में व्यक्तिगत आय कर के रूप में 12.41 लाख करोड़ रुपये की वसूली हुई, जबकि कॉरपोरेट टैक्स का योगदान 10.99 लाख करोड़ रुपये ही रहा। 2021-22 में व्यक्तिगत आय कर के जरिए हुई उगाही कॉरपोरेट टैक्स से हुई वसूली को पार कर गई थी। तब से ये ट्रेंड बढ़ता ही चला गया है। नतीजतन, उपभोक्ता बाजार में अपेक्षित विस्तार ना होने के बावजूद कॉरपोरेट मुनाफा तेजी से बढ़ा है। यह 2019 में अपनाई गई नीति का परिणाम है, जब केंद्र ने कॉरपोरेट टैक्स की दरों में भारी कटौती कर दी थी। इस तरह सरकार ने अपनी आमदनी घटाई, जिसकी भरपाई वह ऐसे उपायों से करती आई है, जिसका आनुपातिक रूप से अधिक बोझ आम जनता पर पड़ता है।

आलेख

हथकरघा: विकसित भारत के भविष्य की बुनाई

गिरिराज सिंह

किसी विकसित राष्ट्र का निर्माण सिर्फ तकनीक से ही निर्धारित नहीं होता। उसका खाका स्थायी खूबियों को भावी प्रगति के वाहक के रूप में बदल सकने की क्षमता से गढ़ा जाता है। अब जबकि हमारा देश 'विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हम अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश कर रहे हैं, मैन्यूफैक्चरिंग को सुदृढ़ बना रहे हैं और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग को तैयार कर रहे हैं। फिर भी, हमारी हथकरघा परंपरा उन सबसे बड़ी खूबियों में से एक है जो हमेशा हमारे साथ बनी रही है। आगामी 7 अगस्त को जब भारत 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाएगा, तो यह हथकरघा को एक ऐसे रणनीतिक क्षेत्र के तौर पर देखने का उपयुक्त अवसर होगा जो टिकाऊपन, प्रामाणिकता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला को महत्व देने वाली दुनिया के लिए बेहद अहम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'विकसित भारत 2047' का सपना समृद्धि, आत्मनिर्भरता, समावेशिता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास पर आधारित है। हथकरघा, विरासत और नवाचार को एक साथ जोड़कर इस सपने को साकार करता है। साथ ही, यह महिलाओं के नेतृत्व में विकास, ग्रामीण उद्यमिता, आजीविका और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है। रामचरितमानस में कहा गया है, सौरज धीरज तेहि रथ चाका। सत्य सील दृढ़ ध्वजा पताका॥ बल बिबेक दम परहित घोरे। छमा कृपा समता रजु जोरे॥ विजय रथ के उपदेश में भगवान राम यह सिखलाते हैं कि स्थायी जीत शक्ति पर नहीं, बल्कि मूल्यों पर आधारित होती है। इन्हीं मूल्यों ने सदियों से भारत की हथकरघा परंपरा को टिकाए रखा है। हाथ से बुना हुआ हर कपड़ा परंपरा को बनाए रखने के साहस, हर धागे को बेहतरीन बनाने के धैर्य, ईमानदार कारीगरी की निष्ठा और पीढ़ियों से चली आ रही समझदारी को दर्शाता है। यही कारण है कि हथकरघा महज एक शिल्प नहीं, बल्कि भारत की महानतम सभ्यतागत खूबियों में से एक है। सबसे पहले कपास की खेती एवं बुनाई करने वाली सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैश्विक व्यापार में भारतीय वस्त्रों के दबदबे वाली अठारहवीं सदी तक, भारत ने वैश्विक स्तर पर वस्त्र निर्माण की उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानक स्थापित किए। बंगाल के प्रसिद्ध मलमल के साथ-साथ बनारसी सिल्क, कांचीपुरम की बुनाई, पोचमपल्ली इकत और अनगिनत क्षेत्रीय परंपराओं ने भारत को दुनिया भर में पहचान और प्रशंसा दिलाई। बंगाल का मलमल तो इतना महीन होता था कि 25 मीटर लंबा कपड़ा भी एक अंगूठी से होकर गुजर जाए। आज जब दुनिया प्रामाणिक, टिकाऊ और हाथ से बने उत्पादों की ओर मुड़ रही है, तो हमारे पास उस अग्रता को फिर से हासिल करने का एक ऐतिहासिक मौका है। हमारी अगली हथकरघा क्रांति के दौरान सिर्फ वस्त्र ही नहीं, बल्कि कारीगरी, विरासत, नवाचार और भरोसे का भी निर्यात होना चाहिए ताकि हाथ से बुना हर उत्पाद 'ब्रांड इंडिया' की पहचान बन सके।

हथकरघा भारत का सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है। यह 35 लाख से अधिक बुनकरों व उनसे जुड़े कामगारों की आजीविका का सहारा है। इन कामगारों में से लगभग 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। पिछले दशक में, सरकार ने 'कच्चा माल आपूर्ति योजना', 797 हथकरघा क्लस्टरों, 1.24 लाख से अधिक उन्नत करघों, लगभग 97,000 कारीगरों के कौशल विकास और उत्पादक कंपनियों, जीआई टैग वाले उत्पादों, हैंडलूम मार्क, इंडिया हैंडमेड सर्टिफिकेशन, अर्बन हाट और डिजाइन रिसोर्स सेंटर जैसी पहलों के जरिए इस सेक्टर को सुदृढ़ किया है। आज 29 'बुनकर सेवा केन्द्र' प्रशिक्षण, कौशल के उन्नयन, डिजाइन के विकास, कच्चे माल संबंधी सहायता और बाजार से जोड़ने जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। वहीं, 11 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि उन्नत प्रशिक्षण के प्रसार को बढ़ाया जा सके और विशेष प्रकार के अधिक मूल्य वाले हथकरघा उत्पाद बनाए जा सकें। ये पहलें हथकरघा को सिर्फ एक कल्याणकारी गतिविधि के तौर पर समर्थन देने से हटकर, इसे वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी एवं रचनात्मक उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में होने वाले एक बदलाव को दर्शाती हैं।

यह सिर्फ जेन जी की स्मृतियों का मामला नहीं

हरिशंकर व्यास

लाख टके का सवाल है कि जिस पीढ़ी ने पेपर लीक के खिलाफ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने के लिए जंतर मंतर पर आंदोलन किया या कहीं दूर बैठ कर आंदोलन में हिस्सा लिया, वह कभी क्या भाजपा के ऊपर भरोसा करेगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका भरोसा जीतने के लिए कई तरह के उपाय कर रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तीन रील्स पोस्ट की, जिसमें नई पीढ़ी के युवाओं और छात्रों को फ्रेंड्स कह कर संबोधित किया और उनके साथ कनेक्ट करने की कोशिश की। उनकी पार्टी के सांसदों ने पेपर लीक के खिलाफ लाए गए बिल पर संसद के अंदर चर्चा में 'जेन जी' के 'लिंगो' यानी उनकी भाषा व शब्दावली का खूब इस्तेमाल किया। ऐसा दिखाया गया, जैसे भाजपा उनकी असली प्रतिनिधि पार्टी है और उनका ख्याल रख रही है। लेकिन उसके बाद भी सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री की रील्स का जैसा मजाक बना और सरकार की हर पहल को जिस तरह से खारिज किया गया वह संकेत है कि इस पीढ़ी का भरोसा भाजपा के ऊपर नहीं बनेगा। इस पीढ़ी की बात करें तो इसकी संख्या बहुत बड़ी है और जब इस पीढ़ी के सारे लोग वोट करने की स्थिति में आएंगे तब भाजपा के सामने असल संकट होगा। एक अनुमान के मुताबिक 'जेन जी' यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी की आबादी 35 से 38 करोड़ के बीच है। यानी कुल आबादी में इनका हिस्सा लगभग 27 फीसदी के करीब बनता है। इनकी उम्र 14 से 29 साल के बीच है। इनमें से एक चौथाई किशोर उम्र के लोगों को निकाल दें, जो अगले चुनाव तक वोट देने के योग्य नहीं हुए होंगे तब भी यह आबादी 25 करोड़ से ऊपर होगी। यानी 'जेन जी' के 25 करोड़ वोटर होंगे। ये सीधे तौर पर इस आंदोलन के हिस्सेदार थे। ध्यान रहे उनका आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के नहीं था, बल्कि अपने अस्तित्व के लिए था। पेपर लीक से उनकी पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो रहे थे। इसलिए वे सरकार की विफलता के खिलाफ आंदोलन पर उतरे। उसके बाद पुलिस ने उनके ऊपर लाठी चलाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, पैलेट गन से हमला किया और शॉक बैटन से मारा। उनको रोकने के लिए मेट्रो स्टेशन बंद किए गए। इंटरनेट बंद किया गया। ऐप आधारित सेवाओं को रोकने का प्रयास किया गया। अब उनकी पहचान बता कर सोशल मीडिया में ट्रोल भी किया जा रहा है। उनको धमकियां मिल रही हैं और डराया जा रहा है। अब भी छात्रों और युवाओं को विक्टिम की बजाय अपराधी बताने की कोशिश हो रही है। उनकी स्मृति में ये बातें हमेशा दर्ज रहेंगी। यह सिर्फ 'जेन जी' की स्मृतियों का मामला नहीं है। उनसे पहले और उनसे बाद वाली पीढ़ी की स्मृति का भी मामला है। 'जेन जी' की बात सभी कर रहे हैं हकीकत यह है कि इनके आंदोलन के बाद 'जेन अल्फा' यानी 2012 के बाद जन्मी पीढ़ी के उन बच्चों में भी नई जागरूकता आई है। खास कर ऐसे बच्चे, जिनकी उम्र 10 से 14 साल की है। मध्य प्रदेश के शहडोल में एक आवासीय कन्या विद्यालय की छात्राओं ने बिजली और पानी की समस्या को लेकर कलेक्टर कार्यालय की ओर मार्च किया। हालांकि रास्ते में उनको रोक दिया गया। लेकिन 30 जुलाई की यह घटना दिखाती है कि जंतर मंतर के आंदोलन का असर कितना व्यापक है। ऐसे ही उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में सर्वोदय इंटर कॉलेज के छात्र व छात्राओं ने बुनियादी सुविधाओं की कमी और मनमाना शुल्क वसूलने को लेकर 28 जुलाई को प्रदर्शन किया। बाद में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पहुंच कर स्कूल का मुआयना किया। शहडोल और फतेहपुर में प्रदर्शन करने वाले छात्र, छात्राओं में 14 साल या उससे कम उम्र के भी बच्चे शामिल थे। जाहिर है कि 'जेन जी' का आंदोलन उनको भी प्रभावित कर रहा है। ऐसे बच्चों यानी 'जेन अल्फा' की आबादी भी 35 से 40 करोड़ के बीच है। इनमें से 10 से 14 साल के जो बच्चे हैं यानी एक तिहाई बच्चे 2029 के लोकसभा चुनाव में वोट डालने की उम्र तक नहीं पहुंचेंगे। परंतु उसके बाद के चुनाव में ये मतदाता होंगे। ध्यान रहे यह डिजिटल युग में पैदा हुई पहली पीढ़ी है, जिनके जीवन पर स्मार्टफोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया का सबसे ज्यादा प्रभाव है। ये अगले चुनाव में वोट नहीं डालेंगे लेकिन पारिवारिक निर्णयों, उपभोक्ता बाजार और देश के भविष्य के ढांचे में बड़ी भूमिका निभाएंगे। वोट डालने की उम्र तक पहुंचने से पहले ही इनकी ये भूमिकाएं बन जाएंगी। अब इन दोनों पीढ़ियों के अभिभावकों या इनकी पहले वाली पीढ़ी यानी मिलेनियल्स की बात करें तो उनकी आबादी भी 40 करोड़ के आसपास है। यह वो पीढ़ी है, जिसका जन्म 1980 से 1996 के बीच हुआ है। यानी 30 से 46 साल के बीच की उम्र की पीढ़ी। इनके बच्चे 'जेन जी' हैं या 'जेन अल्फा'। क्या इनको अपने बच्चों की तकलीफों का अंदाजा नहीं होगा? क्या उनकी राजनीतिक विचारधारा या मतदान व्यवहार अपने बच्चों की प्राथमिकताओं या आवश्यकताओं से प्रभावित नहीं होगा? अगर होगा तो फिर सोचें, इसका कितना बड़ा असर देश की राजनीति पर होगा। इन तीन पीढ़ियों को मिल कर कुल 120 करोड़ आबादी बनती है। इनमें से अगले चुनाव के समय लगभग 70 करोड़ मतदाता होंगे। अभी के घटनाक्रम पर जैसी प्रतिक्रिया सरकार की है और उस प्रतिक्रिया के ऊपर छात्रों व युवाओं का जैसा रिस्पांस है उसे देखते हुए साफ प्रतीत होता है कि सरकार और एक बड़ी आबादी के बीच संवाद के तार टूट गए हैं। जैसे पिछली पीढ़ियों की याद में बहुत सारी देशी, विदेशी घटनाएं हैं, जिन्होंने उनके विचार गढ़े और उनकी राजनीति को प्रभावित किया। मतलब मंदिर आंदोलन से लेकर मंडल आंदोलन और उदारीकरण से लेकर वैश्विकरण और 9/11 की घटना के बाद पूरी दुनिया में आतंकवाद के खिलाफ जंग जैसी बहुत सी घटनाओं ने उनके विचार बनाए। अब इस पीढ़ी के विचार संचार क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के असर में बन रहे हैं।

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित गर्ग

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के

घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वत: समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, सोमवार 10 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

कुण्डलपुर तीर्थ क्षेत्र में निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ससंघ के चातुर्मास कलश की हुई भव्य स्थापना, देशभर से उमड़े श्रद्धालु

कुण्डलपुर (दमोह) (विश्व परिवार)। सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में कुण्डलपुर तीर्थ क्षेत्र कमेटी के तत्वावधान में निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज, मुनि श्री पवित्र सागर महाराज ससंघ के चातुर्मास कलश की स्थापना समारोह श्रद्धा,भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुई। इस अवसर पर महाराष्ट्र,उ.प्र., राजस्थान,दिल्ली,मध्यप्रदेश के विभिन्न नगरों जिसमें सागर, दमोह, हटा, पथरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, ललितपुर, बीना, अशोकनगर विदिशा भोपाल सहित देश के विभिन्न नगरों से हजारों श्रद्धालु एवं युवा , महिला मंडल,बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं कुण्डलपुर तीर्थ क्षेत्र के प्रचार मंत्री जय कुमार जैन जलज ने बताया प्रात: काल बड़े बाबा आदिनाथ भगवान के दिव्य दरबार में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन तथा चातुर्मास स्थापना से जुड़े धार्मिक अनुष्ठानों ने सम्पूर्ण तीर्थक्षेत्र को धर्ममय वातावरण से अनुप्राणित कर दिया।धर्मसभा को संबोधित करते हुए निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज ने कहा कि जैन परंपरा में वर्षायोग और चातुर्मास का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।यह केवल संतों के लिए साधना, स्वाध्याय, तप और आत्मानुशासन

का काल नहीं, बल्कि गृहस्थों के लिए भी आत्मचिंतन, संयम, भक्ति, आराधना और जीवन को नई दिशा देने का श्रेष्ठ अवसर है। वर्षाकाल में सूक्ष्म जीवों की संख्या बड जाती है, अहिंसा धर्म का पालन हो सके इसलिये सभी महावृती संत एक ही स्थान पर धर्म की आराधना करते है, ऐसे में धार्मिक पर्वों की अधिकता और संतों का सान्निध्य वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है, जिससे धर्म के प्रति जनमानस का आकर्षण स्वाभाविक रूप से बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि जिस नगर या क्षेत्र में चातुर्मास करने वाले महाव्रती पिच्छीधारी संत विराजते हैं, वहां धर्म की चेतना स्वत: जागृत हो जाती है। संतों का सान्निध्य व्यक्ति के भीतर परिवर्तन का माध्यम बनता है। गृहस्थ भले स्वयं संयमी न हो, लेकिन यदि वह नियमित रूप से संयमी संतों के संपर्क में रहेगा तो उसके भीतर भी त्याग और संयम के संस्कार अवश्य ही विकसित होंगे। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के वचनों का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि त्यागी का सान्निध्य स्वयं त्याग की प्रेरणा देता है।

मुनि श्री ने कहा कि वे किसी से तुरंत त्याग करने का आग्रह नहीं करते। पहले त्यागियों के पास आना प्रारंभ कीजिए, परिवर्तन अपने आप होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे पके हुए खरबूजे के पास रखे कच्चे खरबूजे भी धीरे-धीरे अपना रंग बदल लेते हैं, वैसे ही संयमी और तपस्वी संतों का सान्निध्य गृहस्थ के अंतरंग को बदल देता है। मुक्ति मार्ग में संयमी साधक आगे बढ़ते हैं और सम्यग्दृष्टि गृहस्थ उनके पदचिह्नों पर चलकर अपने जीवन को पवित्र बनाने का प्रयास करते हैं। लक्ष्य दोनों का आत्मकल्याण ही होता है, केवल उनकी वर्तमान अवस्था अलग-अलग होती है।

सम्यग्दृष्टि और मिथ्यादृष्टि का अंतर स्पष्ट करते हुए मुनि श्री ने कहा कि दोनों संसार में रहते हैं, परंतु दृष्टिकोण अलग होता है। मिथ्यादृष्टि संसार को ही सब कुछ मानता है, जबकि सम्यग्दृष्टि संसार में रहते हुए भी उसे अंतिम सत्य नहीं मानता और उसके संयम की ओर अग्रसर होने की भावना रहती है। यही भाव उसे आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ाता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की नई पीढ़ी में प्रतिभा और उत्साह की कमी नहीं है, लेकिन सही मार्गदर्शन के अभाव में अनेक युवा दुविधा, तनाव और मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं। उच्च शिक्षा, आकर्षक वेतन और आधुनिक सुविधाएँ होने के बावजूद जीवन में शांति नहीं है, क्योंकि वे अपनी इच्छाओं, भावनाओं और जीवन की दिशा का सही मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं। यदि व्यक्ति अपनी इच्छाओं की समीक्षा करे, दिनचर्या को अनुशासित बनाए।

श्रद्धालुसंसार में हर व्यक्ति स्वयं का परिचय देने में लगा है लोगों न धर्म का परिचय कोने में रखा है:आचार्य समय सागर जी

भोपाल (विश्व परिवार)। भोपाल वस्तु का स्वभाव धर्म हो सकता है सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान सम्यक चारित्र को धर्म की संख्या भगवान ने दी है और इसको छोड़कर इसके विपरीत मिथ्या दर्शन मिथ्या ज्ञान और मिथ्या चरित्र यह धर्म के अतत्व सिद्धांत हैं यह उद्गार आचार्य समय सागर महाराज ने रविवार विशेष धर्म सभा में धर्म का वर्णन बताते हुए कहा संसार में सभी धर्म कर रहे हैं या धर्म करना चाहते हैं पर धर्म के मूल स्वभाव से सब अनभिज्ञ हैं,धर्म अतुलनीय है संसार के परिणमन में कारण नहीं धर्म संसार में उठाने का कारण है गिराने का नहीं धर्म का स्वरूप ज्ञान विचार शील बुद्धि का विषय है संसार का प्रत्येक प्राणी स्वयं का परिचय देखने में और परिचय देने ओर पाने में लगा है पर धर्म का परिचय लोगों ने कोने में रख दिया है आचार्य श्री ने कहा दुनिया में बहुत सारे धर्म है जो विभिन्न प्रकार और व्यवस्थाओं में अलग अलग हे धर्म का स्वरूप एक है धर्म देखने

में नहीं आता धर्म भावनात्मक है,, धर्म बाजार में नहीं बिकता पर अपने अंदर कण कण में धर्म हे जिसे अपने परिणामों के निर्मल आचरण से पा सकते हे,, धर्म सभा का शुभारंभ आचार्य श्री विद्या सागर महाराज के चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, संचालन अध्यक्ष पंकज सुपारी ने किया समाज के श्रेष्ठी पुण्यर्जक समाज सेवी अशोक पाटनी राजस्थान प्रभात जैन मुंबई सुधीर जैन विनोद बड़जात्या दुर्ग आशीष पूना अतुल काका पुणे रेशु सिंघाई दमोह गौरव कुंडलपुर विशेष रूप से मौजूद थे सभी पुण्यर्जक परिवार का बहुमान पंकज सुपारी मनोज बांगा राकेश ओ एस डी ने किया, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया श्री समय सागर महाराज के दर्शन हेतु अनेक शहरों से श्रद्धालु आए,, आचार्य श्री के दर्शन के लिए एक झलक के लिए श्रद्धालु लालियत थे,, आचार्य श्री की छवि को देख सभी हे स्वामी नमोस्तु हे स्वामी नमोस्तु के स्वर गूंजने लगते आज भी अनेक श्रद्धालु द्वारा श्री फल भेट कर संयमित जीवन जीने के संकल्प लिए गए।

विषयों में बढ़ती आसक्ति व्यक्ति के विवेक को कर देती है कमजोर : साध्वी मंजुलाश्रीजी

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत श्री जिनकुशलसूरि जैन दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए रविवार को साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने कहा कि आजकल हर व्यक्ति भविष्य की प्लानिंग करके चलता है। कल क्या करना है, इसकी तैयारी भी आज से ही शुरू कर दी जाती है, लेकिन जीवन में संयम और विवेक रखना भी उतना ही जरूरी है।

साध्वीश्री ने एक राजा का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि एक राजा गंभीर रूप से बीमार पड़ गया। कई वैद्य और हकीमों के उपचार के बाद भी उसकी बीमारी का पता नहीं चल सका। स्थिति बिगड़ने पर मंत्री एक अनुभवी वैद्य को लेकर आया। वैद्य ने नाड़ी देखकर बीमारी पहचान ली और उपचार शुरू करने से पहले राजा के सामने एक शर्त रखी। उसने कहा कि राजा स्वस्थ तो हो जाएंगे, लेकिन उन्हें जीवनभर आम नहीं खाना होगा।

राजा आम के शौकीन थे, लेकिन

उस समय आम का मौसम नहीं होने के कारण उन्होंने वैद्य की शर्त स्वीकार कर ली। कुछ समय बाद राजा पूरी तरह स्वस्थ हो गए। आम का मौसम आने पर राजमहल का बगीचा आम की खुशबू से महकने लगा। राजा के मन में आम खाने की इच्छा जाग उठी। उन्होंने मंत्री के मना करने के बावजूद आम के बगीचे और फिर वन की ओर जाने की जिद की।

वन में आम के पेड़ों के बीच पहुंचने पर राजा एक पेड़ के नीचे बैठ गए। इसी दौरान हवा चलने से एक आम उनके पास आ गिरा। मंत्री ने उन्हें बार-बार आम खाने से रोका, लेकिन राजा ने संयम नहीं रखा और आम खा लिया। आम खाते ही उनकी तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही क्षणों में उन्होंने प्राण त्याग दिए।

साध्वीश्री ने कहा कि राजा ने अपनी इच्छा पर संयम नहीं रखा और उसकी कीमत जीवन देकर चुकानी पड़ी। इसी प्रकार मनुष्य को उन पदार्थों और विषयों से सावधान रहना चाहिए, जिनमें अत्यधिक मूर्छा और आसक्ति उत्पन्न होती है। विषयों के प्रति बढ़ती आसक्ति व्यक्ति के विवेक को कमजोर कर देती है और अंतत: वही आसक्ति उसके पतन का कारण बन सकती है।

उन्होंने कहा कि जीवन में केवल भविष्य की योजना बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपनी इच्छाओं और इंद्रियों पर नियंत्रण रखना भी आवश्यक है। जिस व्यक्ति में संयम और विवेक होता है, वही विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं को संभाल सकता है। इसलिए धर्म के मार्ग पर चलते हुए मोह और आसक्ति को कम करने का निरंतर प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष अभय कुमार भंसाली, आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 समिति के अध्यक्ष बसंत लोढ़ा, महासचिव मुकेश निमाणी, सह-सचिव अभिषेक गोलछा एवं कोषाध्यक्ष चिंतन मालू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे।

आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए रविवार को साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने कहा कि आजकल हर व्यक्ति आगे की प्लानिंग करके चलता है। कल क्या करना है, यह भी आज ही तय कर लिया जाता है।

अष्टांहिका महापर्व के त्यागी व्रतियों की अनुमोदन हेतु अभिनंदन समारोह संपन्न

जयपुर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म गायत्री नगर जयपुर मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में त्यागी व्रतियों की अनुमोदना हेतु अभिनंदन समारोह आदिनाथ भवन गायत्री नगर में आयोजित किया गया जिसमें शाश्वत तीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखरजी में अष्टांहिका महापर्व पर 9 दिवस के उपवास करने पर गायत्री नगर निवासी राजकुमार बाकलीवाल ,श्रीमती विमला बाकलीवाल, श्रीमती उर्मिला श्रीमाल, श्रीमती रेनू बाकलीवाल का मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह के निर्देशन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया , मंदिर प्रबंध समिति के पदाधिकारयो व समाज के गणमान्य महानुभावों द्वारा त्यागीव्रतियों का सम्मान किया गया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि इस अवसर पर जैन समाज के एकमात्र श्रावक श्रेष्ठी गायत्री नगर निवासी अनिल जैन गदिया बयाने वालों का जो सातवीं बार प्रथम बैच में भारत सरकार की ओर

से कैलाश मानसरोवर की यात्रा कर लौटने पर मंदिर प्रबंध समिति ने भव्य स्वागत किया, उनके व त्यागीव्रतियों के सम्मान में शोभायात्रा मंदिर जी से विभिन्न मार्गों में होते हुए मंदिर जी तक बैंड बाजों व बग्गी में बैठकर निकाली गई , मार्ग में भी त्यागीव्रतियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर अनिल जैन ने अपने संस्मरण सभा में सुनाएं और उन्होंने मानसरोवर यात्रा जाने की प्रक्रिया बताई । सभा में मंदिर प्रबन्ध समिति के विजय सोगानी, राजेश बोहरा ,राकेश छाबड़ा, संजय जैन , बसंत बाकलीवाल , पदम झंझरी, संतोष गंगवाल, संतोष रावका ,राकेश पटौदी सहित वरिष्ठ एडवोकेट विमल जैन उदयभान जैन, कैलाश छाबड़ा, राजेश बाकीवाला, प्रदीप बाकलीवाल , बीना टोंगिया, प्रमिला शाह, अनीता बडजात्या , लता सोगानी , मधु छावड़ा आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अंत में मंदिर जी में शोभायात्रा पहुंचकर सभी व्रतियों ने श्रीजी की समक्ष अर्घ्य समर्पित किये। सभा का संचालन व आभार व्यक्त किया अध्यक्ष अरुण शाह द्वारा ।

राघौगढ़ में चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना का कार्यक्रम आयोजित हुआ

राघौगढ़। आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य महान तपस्वी औजस्वी वक्ता बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज के पावन चातुर्मास कलश स्थापना का मांगलिक कार्यक्रम राघौगढ़ में आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की संगीत में सामूहिक पूजन के साथ प्रारंभ हुआ।दोनों मुनिराज के मंगल प्रवचन हुए। प्रथम कलश अशोक कुमार अतुल कुमार भरसूला परिवार, द्वितीय कलश डॉ अजित रावत,अनिल कुमार रावत परिवार, तृतीय कलश सिंघी अशोक कुमार राजेश कुमार भारिल्य परिवार चौथा कलश रमेश चंद्र प्रदीप कुमार डॉ सन्तोष माल्या परिवार,

पांचवां प्रमोद कुमार प्रियंक कुमार चौधरी, छटवां अखिलेश कुमार जैन कालोनाइजर गुना

सातवां

कलश प्रतिष्ठाचार्य तरुण भैया ने कहा राघौगढ़ वासियों का सौभाग्य है की दो मुनिराज का चातुर्मास राघौगढ़ में होने जा रहा है। विद्या सागर दिगंबर जैन पाठशाला के नन्हे मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। राघौगढ़ की बहू सुप्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना श्री मती प्रेरणा जैन ने नृत्य प्रस्तुत किया। सुसनेर की ओंकार बालिका मंडल ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। मुनि श्रमण सागर जी महाराज द्वारा लिखित 114 कविताओं के काव्य संग्रह की पुस्तिका श्रमण धारा का कार्यक्रम में विमोचन हुआ। काव्य संग्रह पुस्तिका की जानकारी कार्यक्रम में भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक विजय कुमार जैन ने दी। कार्यक्रम में मुनिराज के गृहस्थ जीवन के परिजनों का सम्मान जैन समाज राघौगढ़ द्वारा किया।

जीवन में उपकार का भाव रहेगा तो निरंतर गति और प्रगति होगी : मुनिश्री संवेगरत्न सागर

रायपुर। विवेकानंद नगर स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास में रविवार को विशेष प्रवचन माला में मुनिश्री संवेगरत्न सागर म.सा. ने कहा कि हम सभी जिन शासन की कल्याणकारी परंपरा से जुड़े हैं। इस परंपरा में प्रत्येक जीव के प्रति दया और कल्याण का भाव है। यह हमारे तीर्थंकर परमात्माओं का उपकार है। जीवन में उपकार का भाव रहेगा तो निरंतर गति और प्रगति होगी।

मुनिश्री ने कहा कि उपकार के तीन प्रमुख प्रकार हैं। पहला जन कल्याण की भावना, दूसरा स्व कल्याण की साधना और तीसरा मानव कल्याण के लिए देशना। हर मानव के प्रति कल्याण की भावना रखना जन कल्याण है। स्वयं के आत्मकल्याण के लिए पुरुषार्थ करना स्व कल्याण है। इसी पुरुषार्थ के माध्यम से परमात्मा ने कैवल्य की प्राप्ति की। मानव कल्याण के लिए धर्म और

सद्मार्ग की देशना देना भी बड़ा उपकार है। सबसे बड़ा दान उपदेश का दान है। यही जिन शासन का हम पर सबसे बड़ा उपकार है।मुनिश्री ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है। इसे प्राप्त करने के लिए जीव ने न जाने कितने भवों में कितने दुखों का वेदन सहा होगा। परमात्मा ने बताया है कि इस मानव भव की प्राप्ति सहज नहीं है। जो केवल गुजारे के लिए जीवन जीता है, वह गुजर जाता है; लेकिन जो जीवन को सही अर्थों में जीता है, वह संवर जाता है।

मुनिश्री ने कहा कि हमें इतना उत्तम जीवन मिला है, लेकिन यदि इसमें ज्ञान की ज्योति नहीं जलाई तो अज्ञान के अंधेरे में भटकते रहेंगे ।

शिवालय नगरी आरंग पर बना गीत सोशल मीडिया में वायरल, कलाकारों की हो रही सराहना

आरंग। शिवालयों और प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध नगरी आरंग के गौरव को समर्पित गीत इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस गीत की परिकल्पना पीपला फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र पटेल ने की है। गीत को छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध गायक विवेक शर्मा और आरंग अंचल के लोकप्रिय गायक गंगा साहू ने अपनी आवाज दी है।

गीत के बोल कांशी जैइसे नगरी मोर आरिंग दीपक सारथी ने लिखे हैं, जबकि संगीत देवेंद्र साहू का है। वीडियो की कैमरा और एडिटिंग विरु साहू ने की है। कोरियोग्राफी मास्टर उत्तम

साहू की रही और रिकॉर्डिंग आरंग स्थित महामाया स्टूडियो में की गई।गीत में आरंग के प्राचीन शिवालयों और शिवलिंगों को खूबसूरती से दर्शाया गया है। कलाकारों की इस पहल का उद्देश्य नगर के गौरवशाली इतिहास और धार्मिक पहचान को जन-जन तक पहुंचाना है।सोशल मीडिया पर रिलीज होते ही गीत को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। कई सामाजिक संगठनों और नगरवासियों ने शिवालयों पर आधारित इस गीत की मुक्त कंठ से सराहना की है। लोगों का कहना है कि ऐसे प्रयासों से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

संभवनाथ भगवान के नूतन जिनालय में 15 अगस्त को होगी रत्न

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के नूतन जिनालय में देवाधिदेव श्री संभवनाथ भगवान परमात्मा के मंदिर के प्रथम पाषाण स्थापना का महा-महोत्सव 14 और 15 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। आयोजन खरतरगच्छाधिपति प.पू. श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वर जी म.सा. के आज्ञा प्रदाता तथा खरतरगच्छाचार्य प.पू. श्री जिनपीयूषसागर जी म.सा. की पावन प्रेरणा से होगा।

कार्यक्रम में प.पू. मुनि श्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. आदि ठाणा 5 एवं प.पू. साध्वी श्री मंजूलाश्री जी म.सा. आदि ठाणा 4 की पावन निश्रा रहेगी।

14 अगस्त को प्रभुभक्ति, 15 को पाषाण स्थापना

महा-महोत्सव की शुरुआत 14

अगस्त शुक्रवार को शाम 8 बजे से प्रभुभक्ति के साथ होगी। इसमें संगीतकार राहुल झाबक अपनी प्रस्तुति देंगे। वहीं मुख्य आयोजन 15 अगस्त शनिवार को सुबह 7.30 बजे से नूतन जिनालय के प्रांगण में होगा।इस दौरान रत्न एवं स्वर्ण पाषाण स्थापना का धार्मिक आयोजन किया जाएगा। 8 दिशाओं के मुख्य रत्न पाषाण का आदेश बोलियों द्वारा तथा स्वर्ण पाषाण के नखरे भी होंगे। आयोजन के विधिकारक अरविंदज चौरड़िया इंदौर होंगे।कार्यक्रम के पश्चात साधर्मिक वात्सल्य की व्यवस्था रत्नप्रभसूरी भवन के प्रथम तल पर की गई है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और बड़ी संख्या में समाजजनों के शामिल होने की संभावना है।

आयोजन श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट विवेकानंद नगर, रायपुर के तत्वावधान में किया जा रहा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया (कन्नु), कार्यकारी अध्यक्ष अभय कुमार भंसाली, ट्रस्टी नरेश बैदमुथा, राजेन्द्र गोलेच्छा (हेमू) और उज्जवल झाबक ने समाजजनों से महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है।

बढ़व संगवारी संस्था ने 2 दिनों में 30 नए छात्रों को दी 2.83 लाख की फीस सहायता

रायपुर (विश्व परिवार)। उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने और आर्थिक तंगी से जूझ रहे प्रतिभावान बच्चों को संबल देने के लिए बढ़व संगवारी संस्था लगातार मिशाल पेश कर रही है। संस्था ने इस सत्र में भी अपनी मदद की शुरुआत करते हुए दो दिनों में 30 नए विद्यार्थियों को कॉलेज फीस की सहायता प्रदान की है।02 अगस्त को विविध संकाय के 15 छात्रों को 1,05,079 रुपये और 09 अगस्त को पुन: 15 छात्रों को 1,78,521 रुपये का चेक दिया गया। ये सभी इस सत्र में प्रवेश लेने वाले नए छात्र हैं।

संस्था का कार्यक्षेत्र और उद्देश्य :- बढ़व संगवारी संस्था ने छत्तीसगढ़ के पांच जिलों - रायपुर, दुर्ग,

बलौदाबाजार, बेमेतरा और महासमुंद को अपना कार्यक्षेत्र बनाया है। संस्था वर्ष 2016 से निरंतर इन जिलों के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कैरियर काउंसलिंग के माध्यम से प्रतिभावान बच्चों का चयन कर उन्हें आर्थिक मदद दे रही है। संस्था के काउंसलर शिव कुमार वर्मा ने बताया अब तक इस संस्था से कुल 133 छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो चुके हैं। इनमें से 93 पुराने छात्र नियमित रूप से सहायता प्राप्त कर रहे हैं, जबकि 17 बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी कर अब उत्कृष्ट संस्थानों और सरकारी-निजी क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं।संस्था शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता पर भी काम कर रही है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

गरियाबंद

रायपुर, सोमवार 10 अगस्त 2026

संक्षिप्त समाचार

गरियाबंद में हादसों वाला रविवार : ट्रैक्टर के नीचे दबकर युवक की मौत, घटारानी में झरने की ऊंचाई से गिरा युवक

गरियाबंद। रविवार का दिन गरियाबंद जिले में हादसों के नाम रहा। अलग-अलग स्थानों पर हुए दो हादसों ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। देवभोग क्षेत्र में ट्रैक्टर पलटने से उसके नीचे दबकर एक युवक की मौत हो गई, वहीं जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल घटारानी जलप्रपात में एक युवक ऊंचाई से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

खेत में काम करने गया था युवक, ट्रैक्टर पलटा और दब गई जिंदगी- पहला हादसा देवभोग क्षेत्र के अमाड़ गांव से सामने आया। बताया जा रहा है कि गांव का युवक पड़ोसी राज्य ओडिशा के खपाराडीह में कृषि कार्य के लिए गया था। इसी दौरान कृषि कार्य में लगे ट्रैक्टर के पलट जाने से युवक उसके नीचे दब गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जहां युवक का शव देखकर परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटारानी वाटरफॉल में नशे की हालत में पहुंचा युवक,फिसलकर ऊंचाई से गिरा,,,,,,,दूसरा हादसा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल घटारानी जलप्रपात में हुआ। यहां खूबलाल डिमर निवासी रावा, जिला धमतरी झरने के पास पहुंचा था। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह जलप्रपात की ऊंचाई से नीचे जा गिरा। युवक के गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल घायल युवक को बाहर निकाला और 112 की मदद से फिंगेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। युवक को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

बारिश में बढ़ा खतरा, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल- घटारानी जलप्रपात में बारिश के मौसम में फिसलन और पानी का बहाव बढ़ने से खतरा और बढ़ जाता है। इसके बावजूद पर्यटकों द्वारा कई बार सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जाती है। रविवार की घटना ने एक बार फिर पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा इंतजाम और पर्यटकों की लापरवाही को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कोटवार संघ के जिला अध्यक्ष बने महेश सोनवानी, सर्वसम्मति से हुआ पदाधिकारियों का चुनाव

गरियाबंद। कोटवार संघ जिला गरियाबंद का जिला स्तरीय चुनाव रविवार 9 अगस्त 2026 को साई मंदिर में संपन्न हुआ।चुनाव में संघ के पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया।इसमें महेश सोनवानी को कोटवार संघ का जिला अध्यक्ष चुना गया।इसी क्रम में मनीराम जगत को उपाध्यक्ष, धनेश राम जगत को संरक्षक,बसंत जगत को सलाहकार,गंगाराम मोगरे को सचिव तथा ओमप्रकाश जगत को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।वहीं श्री उत्तम बंदे को महामंत्री चुना गया। चुनाव के दौरान सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया।नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संघ की एकजुटता बनाए रखने तथा कोटवारों के हितों और समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने की बात कही। चुनाव के बाद उपस्थित सदस्यों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

एक व्यक्ति, तीन पद! कांग्रेस में मचा घमासान

एक व्यक्ति-एक पद' के सिद्धांत की उड़ी धज्जियां? जमीनी कार्यकर्ताओं में बढ़ा असंतोष, गुटबाजी की चर्चाओं ने पकड़ा जोर

गरियाबंद (विश्व परिवार)। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और जमीनी कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां देने की कवायद के बीच गरियाबंद में पदों के बंटवारे को लेकर पार्टी के भीतर ही असंतोष के स्वर तेज होने लगे हैं। एक ही व्यक्ति को ब्लॉक कांग्रेस, किसान कांग्रेस और आदिवासी कांग्रेस जैसे तीन अहम संगठनों की जिम्मेदारी दिए जाने से संगठन के भीतर सवाल खड़े हो गए हैं। लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं के बीच इसे लेकर नाराजगी की चर्चा अब खुलकर सामने आने लगी है।

कार्यकर्ताओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि जब कांग्रेस लगातार संगठन में नई ऊर्जा, नए चेहरों और सक्रिय कार्यकर्ताओं को मौका देने की बात करती है, तो महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के बंटवारे में एक ही व्यक्ति पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी क्यों डाली जा रही है?

जमीनी स्तर पर वर्षों से पार्टी के लिए संघर्ष कर रहे कार्यकर्ताओं का मानना है कि संगठन में जिम्मेदारियों का विकेंद्रीकरण होना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक अनुभवी और सक्रिय कार्यकर्ताओं को नेतृत्व का अवसर मिल सके। एक ही व्यक्ति के पास कई महत्वपूर्ण पद होने से दूसरे कार्यकर्ताओं में उपेक्षा की भावना बढ़ सकती है।

कांग्रेस के उदयपुर चिंतन शिविर में संगठनात्मक सुधारों के तहत 'एक व्यक्ति, एक पद' के सिद्धांत पर जोर दिया गया था। ऐसे में एक ही व्यक्ति को अलग-अलग महत्वपूर्ण संगठनों की जिम्मेदारी सौंपे जाने से अब पार्टी के भीतर ही सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह सिद्धांत जमीनी स्तर पर कितना लागू हो रहा है?

कार्यकर्ताओं का सवाल सीधा है—अगर एक व्यक्ति ही कई पद संभालेगा, तो संगठन के लिए वर्षों से मेहनत कर रहे दूसरे चेहरों को आगे आने का अवसर कब मिलेगा?

किसान कांग्रेस और आदिवासी कांग्रेस पार्टी के महत्वपूर्ण संगठन माने जाते हैं। दोनों का अपना अलग सामाजिक आधार, कार्यक्षेत्र और मुद्दे हैं। किसान कांग्रेस जहां किसानों से जुड़े सवालों को प्रमुखता देती है, वहीं आदिवासी कांग्रेस आदिवासी क्षेत्रों के अधिकार, समस्याओं और स्थानीय मुद्दों को उठाने की जिम्मेदारी निभाती है।

ऐसे में दोनों संगठनों की जिम्मेदारी एक ही व्यक्ति को सौंपे जाने को लेकर कार्यकर्ताओं में संगठन की सक्रियता और प्रभावशीलता पर भी चर्चा शुरू हो गई है।

पदों के बंटवारे के बाद कार्यकर्ताओं के बीच एक और सवाल तेजी से उठ रहा है—क्या कांग्रेस में अनुभवी और सक्रिय कार्यकर्ताओं की कमी है?

पार्टी में वर्षों से संघर्ष करने वाले कई कार्यकर्ता संगठन में जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। ऐसे में जब तीन महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी एक ही व्यक्ति को मिलती है, तो स्वाभाविक रूप से दूसरे दावेदारों और कार्यकर्ताओं में असंतोष पैदा होना तय माना जा रहा है।

पद वितरण के साथ ही कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और पसंदीदा चेहरों को तरजीह दिए जाने की चर्चाएं भी जोर पकड़ने लगी हैं। हालांकि पार्टी की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है, लेकिन कार्यकर्ताओं के बीच चल रही चर्चाओं ने संगठनात्मक व्यवस्था को लेकर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। जमीनी कार्यकर्ताओं का कहना है कि किसी भी राजनीतिक संगठन की ताकत एक व्यक्ति नहीं, बल्कि हजारों कार्यकर्ताओं की मेहनत होती है। यदि महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित रहीं और सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे आने का अवसर नहीं मिला, तो इसका असर संगठन की जमीनी पकड़ पर पड़ सकता है।

अब सबकी नजर कांग्रेस नेतृत्व पर है। क्या 'एक व्यक्ति-एक पद' के सिद्धांत को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया जाएगा? क्या जिम्मेदारियों का नए सिरे से बंटवारा होगा? या फिर एक ही व्यक्ति के पास तीन अहम पदों की व्यवस्था जारी रहेगी?

गरियाबंद कांग्रेस में उठे इन सवालों ने फिलहाल संगठन के भीतर सियासी हलचल तेज कर दी है।

शराब पीकर पर्यटन घूमना पड़ेगा भारी, गरियाबंद पुलिस का सख्त एक्शन

चिंगरापगार तिराहे पर चला ब्रीथ एनालाइजर, नशे में बाइक दौड़ाते 3 चालक पकड़े गए; वाहन जब्त, न्यायालय भेजने की कार्रवाई

गरियाबंद (विश्व परिवार)। पर्यटन स्थलों की सैर के नाम पर शराब पीकर वाहन दौड़ाने वालों की अब खैर नहीं। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के सख्त निर्देश पर पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ शिकंजा कस दिया है। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और पर्यटन स्थलों पर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के तहत चिंगरापगार तिराहे पर पुलिस ने ब्रीथ एनालाइजर से वाहन चालकों की जांच की। इस दौरान तीन मोटरसाइकिल चालक अत्यधिक शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़े गए।

यातायात पुलिस टीम ने चिंगरापगार तिराहे के पास विशेष चेकिंग पॉइंट लगाया था। इस दौरान आने-जाने वाले वाहन चालकों को रोककर ब्रीथ एनालाइजर मशीन से अल्कोहल टेस्ट किया गया। जांच में तीन मोटरसाइकिल चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत वैधानिक कार्रवाई की।

शराब के नशे में लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले चालकों के मोटरसाइकिल पुलिस ने मौके पर ही जब्त कर लिए। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए प्रकरण न्यायालय भेजने की प्रक्रिया की गई। गरियाबंद जिले के पर्यटन स्थलों को देखते हुए पुलिस ने यातायात सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए चेकिंग अभियान तेज किया है। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि पर्यटन स्थल पर घूमने के दौरान शराब का सेवन कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने आम जनता से अपील की है कि शराब अथवा किसी भी प्रकार का नशा करने के बाद वाहन न चलाएं। नशे में वाहन चलाना चालक की अपनी जान के साथ सड़क पर चलने वाले निर्दोष लोगों की जिंदगी के लिए भी गंभीर खतरा है। गरियाबंद पुलिस ने साफ किया है कि नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ चेकिंग और कार्रवाई का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

भूतेश्वरनाथ दर्शन करने आए बेमेतरा के श्रद्धालुओं से भरी बस पुल में धंसी, बड़ा हादसा टला

55 से 60 दर्शनार्थी थे सवार,

गरियाबंद (विश्व परिवार)। सावन के पवित्र महीने में प्रसिद्ध भूतेश्वरनाथ महादेव के दर्शन के लिए बेमेतरा से गरियाबंद पहुंचे श्रद्धालुओं से भरी एक बस रविवार को ग्राम पारागांव के समीप निर्माणाधीन पुल में धंस गई। बस के पुल के एक हिस्से में फंस जाने से उसमें सवार करीब 55 से 60 दर्शनार्थियों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि बस नाले में नहीं पलटी और एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार बस क्रमांक सीजी 07 डीए 1099 में बेमेतरा क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भूतेश्वरनाथ महादेव के दर्शन के लिए पहुंचे थे। दर्शन के बाद लौटते समय ग्राम पारागांव के समीप नाले पर बन रहे नए पुल के पास बस अचानक धंस गई।बताया जा रहा है कि पुल का निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है और मौके पर मिट्टी एवं गिट्टी डली हुई थी।इसी दौरान बस का पहिया पुल के कमजोर हिस्से में धंस गया और बस एक तरफ झुक गई।

सामने का कांच तोड़कर बाहर निकले श्रद्धालु- बस के पुल में फंसने और एक तरफ झुकने के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। बस के दरवाजे से बाहर निकलने में परेशानी होने पर कुछ श्रद्धालुओं ने बस का सामने का कांच तोड़ दिया और उसी रास्ते से एक-एक कर बाहर निकले। देखते ही देखते मौके पर चीख-पुकार मच गई और श्रद्धालु सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे।

प्रत्यक्ष स्थिति यह थी कि बस पुल के पिल्लर के पास जाकर अटक गई थी।यदि बस कुछ और आगे या नीचे खिसकती तो वह करीब 15 से 20 फीट गहरे नाले के गड्ढे में पलट सकती थी। ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में यात्रियों के बस के अंदर फंसने से गंभीर जनहानि की आशंका थी।

अधूरे पुल पर आवागमन बना खतरा- ग्राम पारागांव के समीप जिस पुल का निर्माण चल रहा है, वहां निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के बावजूद वाहनों की आवाजाही को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मौके पर मिट्टी और गिट्टी का अस्थायी रास्ता बनाया गया है। बारिश के मौसम में मिट्टी के धंसने और रास्ता कमजोर होने के कारण भारी वाहनों के लिए यह मार्ग जोखिम भरा बताया जा रहा है।

श्रद्धालुओं का कहना था कि यदि बस पुल के पिल्लर से नहीं अटकती तो वह सीधे नीचे नाले में जा सकती थी। जिस समय बस धंसी, उस समय उसमें 55 से 60 लोग सवार थे। हादसे के बाद काफी देर तक मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी शिशिर पाण्डे अपने दलबल सहित मौके पर पहुंचे और घंटों से बाधित यातायात को व्यवस्थित कर लोगो को सुविधा दिए।

जल-जंगल-जमीन पर अब आर-पार की लड़ाई, अधिकार नहीं मिला तो छीन लेंगे

विश्व आदिवासी दिवस पर गरियाबंद में गरजा आदिवासी समाज, संजय सिंह बोले—'झुकेंगे नहीं, जेल जाने को तैयार'

गरियाबंद (विश्व परिवार)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को गरियाबंद में आदिवासी समाज ने शक्ति, एकता और अधिकारों का जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह,दिल्ली विधायक मुकेश सहरावत, क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल और बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम से पहले मालगांव से मोटरसाइकिल रैली निकाली गई,जो तिरंगा चौक पहुंची।यहां आतिशबाजी और जोरदार नारों के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया।मंच पर आदिवासी संस्कृति की झलक भी देखने को मिली।पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे समाज के लोगों ने कार्यक्रम को भव्य रूप दिया।

इस दौरान संजय सिंह बोले—10 करोड़ की आबादी, फिर भी एक भी आदिवासी भारत रत्न क्यों नहीं?- सभा को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आदिवासी समाज के अधिकार,शिक्षा,स्वास्थ्य और जल-जंगल-जमीन के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि भारत में आदिवासी समाज की आबादी करीब 10 करोड़ है, लेकिन अब तक किसी आदिवासी को भारत रत्न नहीं मिला।उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद समाज को विकास की मुख्यधारा से दूर क्यों रखा गया?संजय सिंह ने बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर के शिक्षा संबंधी विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा ही अधिकार और बदलाव का सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कहीं अस्पतालों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं, स्कूल बंद हो रहे हैं और दूसरी ओर सरकार विकास की बात कर रही है।

उन्होंने विपक्षी नेताओं और आंदोलनों को लेकर भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए संजय सिंह ने कहा कि यदि सरकार विरोध की आवाज को दबाने के लिए जेल भेजने का रास्ता अपनाती है तो वे जेल जाने से डरने वाले नहीं हैं। जेल भेजना है तो भेजिए, हम जेल जाने को तैयार हैं, लेकिन झुकना पसंद नहीं है।

संजय सिंह ने सामाजिक भेदभाव और सांप्रदायिक राजनीति का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सवाल किया कि आदिवासी, किसान, छात्र और आम जनता के मुद्दों को छोड़कर समाज को धर्म और जाति के नाम पर क्यों बांटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि असली मुद्दे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आरक्षण और नागरिक अधिकार हैं।उन्होंने किसानों और छात्रों के आंदोलनों का जिक्र करते हुए सरकार पर आंदोलनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग करने का आरोप लगाया और पूछा कि आखिर सरकार किसके हित में काम कर रही है।

अडानी का मुद्दा उठाकर सरकार पर हमला- संजय सिंह ने छत्तीसगढ़ में खनिज संपदा और जंगलों को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कोयला,बिजली,पानी और खनिज संसाधनों पर बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में किसी कंपनी के काम के लिए ग्रामसभा की भूमिका और संवैधानिक अधिकार महत्वपूर्ण हैं,लेकिन उनके अनुसार इन अधिकारों की अनदेखी की जा रही है।

उन्होंने मंच से कहा कि जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में मैं आपके साथ खड़ा रहूंगा।

मुकेश सहरावत बोले—आदिवासी पेड़ काटे तो जेल, बड़े कारोबारी काटें तो सरकार खामोश- दिल्ली विधायक मुकेश सहरावत ने भी आदिवासी अधिकारों और जंगलों के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यदि कोई आदिवासी एक पेड़ काटता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई हो जाती है, लेकिन बड़े उद्योगों द्वारा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के आरोपों पर सरकार की भूमिका पर सवाल उठते हैं।उन्होंने छत्तीसगढ़ में जंगल और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि आदिवासी समाज को अपने अधिकारों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए एकजुट होना होगा।

इस अवसर पर क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल ने अपने संबोधन में आदिवासी और छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी अधिकारों को लेकर तीखा तेवर दिखाया। उन्होंने 卐जय जोहार卐 के नारे के साथ कहा कि छत्तीसगढ़ के निवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा।अमित बघेल ने कहा कि जब समाज अपने अधिकार मांगता है तो आंदोलनकारियों को जेल भेज दिया जाता है, लेकिन वे जेल जाने से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े महापुरुष भी जेल गए थे और यदि छत्तीसगढ़ के मूलनिवासियों के हक के लिए जेल जाना पड़े तो वे इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमारे संवैधानिक अधिकार नहीं मिलेंगे तो हम अपने अधिकार छीनकर लेंगे।

आदिवासी सिर्फ वोट बैंक नहीं- अमित बघेल ने राजनीतिक दलों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि अब आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक समझने की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि जब चुनाव के समय कोई राजनीतिक दल वोट मांगने आए तो उससे पूछा जाए कि आदिवासी समाज के लिए उसकी ठोस योजना क्या है।उन्होंने हसदेव क्षेत्र में पेड़ों की कटाई के विरोध में अपने आंदोलन और जेल जाने का जिक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मूलनिवासियों के अधिकारों के लिए आवश्यकता पड़ी तो वे लंबे संघर्ष के लिए भी तैयार हैं।

आयोजन में दिखी आदिवासी एकता- विश्व आदिवासी दिवस के इस आयोजन में बड़ी संख्या में समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। मंच पर अतिथियों का सम्मान किया गया तथा आदिवासी संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जल-जंगल-जमीन, संवैधानिक अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठे।पूरे कार्यक्रम में आदिवासी समाज की एकजुटता और अधिकारों को लेकर मुखरता दिखाई दी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, सोमवार 10 अगस्त 2026

सावन मास को क्यों कहा जाता है सर्वोत्तम मास

सावन मास को सर्वोत्तम मास कहा जाता है। यह 5 पौराणिक तथ्य बताते हैं कि क्यों सावन है सबसे खास...

❶ मरकंडू ऋषि के पुत्र मारकण्डेय ने लंबी आयु के लिए सावन माह में ही घोर तप कर शिव की कृपा प्राप्त की थी, जिससे मिली मंत्र शक्तियों के सामने मृत्यु के देवता यमराज भी नतमस्तक हो गए थे।

❷ भगवान शिव को सावन का महीना प्रिय होने का अन्य कारण यह भी है कि भगवान शिव सावन के महीने में पृथ्वी पर अवतरित होकर अपनी ससुराल गए थे और वहां उनका स्वागत अर्घ्य और जलाभिषेक से किया गया था। माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में भगवान शिव अपनी ससुराल आते हैं। भू-लोक वासियों के लिए शिव कृपा पाने का यह उत्तम समय होता है।

❸ पौराणिक कथाओं में वर्णन आता है कि इसी सावन मास में समुद्र मंथन किया गया था। समुद्र मथने के बाद जो हलाहल विष निकला, उसे भगवान शंकर ने कंठ में समाहित कर सृष्टि की रक्षा की; लेकिन विषपान से महादेव का कंठ नीलवर्ण हो गया। इसी से उनका नाम 'नीलकंठ महादेव' पड़ा। विष के प्रभाव को कम करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया। इसलिए शिवलिंग पर जल चढ़ाने का ख़ास महत्व है। यही वजह है कि श्रावण मास में भोले को जल चढ़ाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

❹ 'शिवपुराण' में उल्लेख है कि भगवान शिव स्वयं ही जल हैं। इसलिए जल से उनकी अभिषेक के रूप में अराधना का उत्तमोत्तम फल है, जिसमें कोई संशय नहीं है।

❺ शास्त्रों में वर्णित है कि सावन महीने में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसलिए ये समय भक्तों, साधु-संतों सभी के लिए अमूल्य होता है। यह चार महीनों में होने वाला एक वैदिक यज्ञ है, जो एक प्रकार का पौराणिक व्रत है, जिसे 'चौमासा' भी कहा जाता है; तत्पश्चात सृष्टि के संचालन का उत्तरदायित्व भगवान शिव ग्रहण करते हैं। इसलिए सावन के प्रधान देवता भगवान शिव बन जाते हैं।

सावन में उपवास कर रहे हैं तो ये 7 बातों का खास ध्यान रखना

श्रावण मास को आस्था की दृष्टि से बेहद पवित्र माह माना जाता है और इस महीने में धार्मिक अनुष्ठान, पूजा पाठ आदि के साथ-साथ व्रत-उपवास को भी महत्व दिया जाता है। अगर आप भी इस माह उपवास कर रहे हैं, तो यह 5 बातें सिर्फ आपके लिए ही हैं-

■ सोमवार या अन्य जिस भी दिन आप उपवास करने वाले हैं, उसके दो तीन दिन पूर्व से भोजन में फल और सब्जियां ज्यादा लेनी शुरू कर दें। हां अगर श्रावण उपवास महीने भर तक रखने हैं तो इसके लिए आपको अवश्य ही विशेष तैयारी कर लेनी चाहिए।

■ श्रावण उपवास रखने के दो-तीन दिन पूर्व से ही ज्यादा अन्न खाना शुरू कर दें। उपवास से एक-दो दिन पूर्व एक वक्त रोटी, सलाद और सब्जी और दूसरे वक्त फलों का सेवन करें।

■ अगर आप ज्यादा दिनों तक श्रावण उपवास रखने की सोच रहे हैं तो ऐसे में याद रखें कि उपवास के शुरू में तीन-चार दिनों तक भूख का अहसास होता है। ऐसी हालत में नींबू-पानी, शहद या केवल दो-तीन गिलास पानी पीने से ही पेट की क्षुधा मिट जाया करती है।

■ निर्जल उपवास कभी भी नहीं रखना चाहिए। याद रखें कि पानी नहीं पीने से शरीर के अन्दर मौजूद अपशिष्ट पदार्थ शरीर से बाहर नहीं निकल पाते हैं जिससे शरीर अनेक बीमारियों से ग्रसित हो जाता है।

■ उपवास रखते वक्त इस बात का भी ध्यान रखें कि उपवास काल में ज्यादा वक्त तक भूखे पेट नहीं रहना चाहिए। अगर आप उपवास काल में भोजन नहीं करते हैं तो सुबह के समय दूध जरूर पीना चाहिए। दोपहर के वक्त फल या जूस ले सकते हैं। शाम के समय चाय पी सकते हैं। रात्रि में फलों की सलाद का सेवन कर सकते हैं। अगर आप श्रावण उपवास काल में केवल एक बार भोजन कर लेते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कभी भी भोजन नहीं करना चाहिए।

■ उपवास काल में उपवासकर्ता का मल सूख जाता है। उपवास करने से पूर्व शंखप्रक्षालन, चौलाई त्रिफला, आंवला, पालक के सूप, नाशपाती या करेले के रस के सेवन से पेट का साफ करना ठीक रहता है। ऐसे में पेशाब में जलन, पेट में जलन, कब्ज, संक्रमण, बदबूदार पसीना आदि की समस्याएं पैदा होती हैं। एक साथ पानी न पीकर एक-एक घंटे बाद एक गिलास पानी में नींबू निचोड़कर उसका सेवन करना ठीक रहता है।

■ उपवास के बीच सुबह-शाम प्राणायाम करना ठीक रहता है। उपवास काल में शारीरिक और मानसिक आराम को भी पूरी तरजीह देनी चाहिए। उपवास काल में मौन व्रत रखना भी श्रेष्ठ रहता है।

बारिश के मौसम में जरूर पिएं ये 5 हेल्दी ड्रिंक्स

मानसून का मौसम जहां एक ओर ठंडी हवा और भीगी मिट्टी की खुशबू लेकर आता है, वहीं दूसरी ओर यह समय बीमारियों के खतरे को भी बढ़ा देता है। सर्दी-जुकाम, पेट से जुड़ी समस्याएं, कमजोरी और स्किन प्रॉब्लम्स जैसे कई संक्रमण इस समय शरीर को कमजोर बना सकते हैं। ऐसे में ज़रूरी है कि आप अपनी डाइट में कुछ ऐसे ड्रिंक्स शामिल करें जो न सिर्फ आपके शरीर को अंदर से गर्म रखें, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाएं और डाइजेशन को बेहतर बनाएं। इस आर्टिकल में हम जानेंगे बारिश के मौसम में ज़रूर पीने योग्य 5 हेल्दी ड्रिंक्स जो न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन हैं बल्कि हेल्थ के लिहाज से भी बेहद फायदेमंद हैं।

1. अदरक और तुलसी वाली हर्बल चाय

बारिश के मौसम में अगर कोई एक ड्रिंक सबसे ज़्यादा असरदार है तो वो है हर्बल चाय। अदरक, तुलसी और दालचीनी से बनी हर्बल चाय शरीर में गर्माहट लाने के साथ-साथ सर्दी-जुकाम से भी बचाव करती है। इसमें मौजूद ऐंटीऑक्सिडेंट्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और गले में खराश या सांस की दिक्कत से राहत दिलाते हैं।

2. हल्दी वाला दूध (गोल्डन मिल्क)

हल्दी को नेचुरल एंटीबायोटिक माना जाता है और दूध में इसे मिलाकर पीना तो आयुर्वेद में भी सलाह दी गई है। हल्दी दूध मानसून में वायरल इंफेक्शन, बुखार और इम्युनिटी वीकनेस से लड़ने में मदद करता है। रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म हल्दी वाला दूध पीने से न केवल अच्छी नींद आती है, बल्कि शरीर की अंदरूनी सफाई भी होती है और जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है।

3. नींबू-शहद पानी (विटामिन C बूस्टर)

मानसून में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद ज़रूरी है। ऐसे में नींबू और शहद से बना गर्म पानी सबसे अच्छा ऑप्शन होता है। इसमें विटामिन C भरपूर होता है, जो आपकी इम्युनिटी को मजबूत करता है और पाचन में सुधार लाता है। सुबह खाली पेट इस ड्रिंक का सेवन करने से शरीर में डीटॉक्सिफिकेशन की प्रक्रिया तेज होती है और दिन भर एनर्जी बनी रहती है।

4. सूप

बारिश के मौसम में कुछ हल्का, गर्म और पौष्टिक खाने का मन करता है, ऐसे में सूप सबसे बेस्ट होता है। हॉट वेजिटेबल सूप या प्रोटीन से भरपूर चिकन सूप न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि इसमें मिनरल्स, विटामिन्स और ऐंटीऑक्सिडेंट्स की भरमार होती है। यह इम्युनिटी को बूस्ट करता है और गले की खराश से राहत देता है। शाम के वक्त एक बाउल गर्म सूप आपकी बॉडी और मूड दोनों को सुकून देता है।

5. काढ़ा

कोरोना काल के बाद काढ़ा हर घर में एक नियमित ड्रिंक बन गया है, और सही भी है। तुलसी, काली मिर्च, लौंग, दालचीनी और अदरक जैसी हर्ब्स से बना यह काढ़ा मानसून के मौसम में वायरल संक्रमण और खांसी-जुकाम से बचाव करता है। इसे रोज़ाना एक बार जरूर लेना चाहिए, खासकर बारिश के दिनों में जब ठंडी हवा और नमी शरीर को तुरंत प्रभावित करती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए कल का दिन आत्मविश्वास और नई संभावनाओं से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलने से रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। परिवार में सुखद माहौल रहेगा और अपनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। किसी नए कार्य की शुरुआत करने के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित दिनचर्या बनाए रखना जरूरी होगा।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए कल का दिन उत्साह और नई ऊर्जा लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से प्रभावित रहेंगे। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिया गया निर्णय लाभ देगा। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। तनाव से बचने के लिए योग और ध्यान का सहारा लें। अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान रखें, क्योंकि आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए कल नई संभावनाओं का दिन रहेगा। आपकी वाणी और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेंगे। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं और सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा। किसी मित्र या जीवनसाथी की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी और मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखें तथा नकारात्मक सोच से दूर रहें।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए कल ऊर्जा और सकारात्मकता से भरा रहेगा। परिवार के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और अपनों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपके फैसले सफलता दिला सकते हैं। समय का सही उपयोग करें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन संतुलित भोजन और पर्याप्त आराम करना लाभदायक रहेगा। सकारात्मक सोच आपको नई उपलब्धियों की ओर ले जाएगी।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों की रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता कल सभी को प्रभावित करेगी। कार्यस्थल पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे। किसी नई योजना या प्रोजेक्ट की शुरुआत के लिए समय अनुकूल रहेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का माहौल सुखद रहेगा। दूसरों की राय को महत्व देने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए कल का दिन योजनाओं को पूरा करने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और आप उन्हें सफलता से निभाएंगे। परिवार के साथ संबंध मजबूत होंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखें। मेहनत और अनुशासन आपको सफलता की ओर ले जाएंगे।

तुला राशि- तुला राशि वालों के लिए कल का दिन सहयोग और संवाद का रहेगा। आपकी बातचीत की शैली लोगों को प्रभावित करेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी और नए संबंध बनने की संभावना है। पुराने रिश्तों में भी मधुरता बढ़ेगी। आत्मविश्वास बनाए रखें और अपने विचार स्पष्ट रूप से रखें। सामाजिक सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों को कल नई चुनौतियों के साथ नए अवसर भी मिलेंगे। आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति कठिन परिस्थितियों को आसान बना देगी। सामाजिक जीवन में धैर्य रखें और गलतफहमियों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें तथा संतुलित आहार लें। मानसिक शांति के लिए कुछ समय स्वयं को भी दें।

धनु राशि- धनु राशि वालों के लिए कल नई उपलब्धियों के संकेत हैं। सामाजिक जीवन में नए लोगों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। प्रेम संबंधों में विश्वास और संवाद बनाए रखें। नियमित व्यायाम और संतुलित भोजन आपको ऊर्जावान बनाए रखेगा। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें, सफलता मिलने की संभावना प्रबल है।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए कल का दिन उत्साह और प्रेरणा से भरपूर रहेगा। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और आपके विचारों को महत्व दिया जाएगा। निवेश से जुड़े मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार के साथ बिताया समय मानसिक संतुष्टि देगा। अपने लक्ष्य पर ध्यान बनाए रखें और निरंतर प्रयास करते रहें।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए कल रचनात्मकता और नए अवसरों का दिन रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। निजी जीवन में रिश्ते मजबूत होंगे। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से नए संपर्क बनेंगे। स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए कल आत्मचिंतन और रचनात्मक कार्यों का दिन रहेगा। नए विचारों को अमल में लाने का अवसर मिलेगा। परिवार का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और मानसिक संतुलन बनाए रखें। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें, सफलता मिलने की पूरी संभावना है।

घर में हाथी को जोड़ा रखना चाहिए या नहीं

अक्सर लोग अपने घरों में कई तरह की मूर्तियां रखते हैं, जिनमें से बहुत सी प्रतिमा शुभता का प्रतीक मानी जाती है। वास्तु शास्त्र में कई ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है जिन्हें घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। बहुत से लोग अपने घर में हाथी का जोड़ा रखते हैं। तो आज हम आपको इसी के बारे में बताएंगे कि घर में हाथी को जोड़ा रखना चाहिए या नहीं और इसके रखने के क्या वास्तु नियम है।

हाथी जोड़ा घर में रखने से क्या होता है?

वास्तु के अनुसार, हाथियों का जोड़ा घर में रखना बेहद शुभ माना जाता है। घर पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। ऐसा कहा जाता है कि ये पति-पत्नी के बीच अपनापन और तालमेल को धीरे-धीरे बढ़ाता है। इसके साथ ही अटके हुए कार्य भी पूरे होते हैं और परिवार के सदस्यों के बीच प्यार, सम्मान और एकता बनी रहती है।

वास्तु में हाथी का आध्यात्मिक महत्व

वास्तु में हाथी का स्थान खास तौर पर महत्वपूर्ण माना गया है। हाथी को विघ्नहर्ता भगवान गणेश का रूप और देवराज इंद्र के ऐरावत का संकेत माना जाता है। जिस तरह हाथी अपने बड़े बड़े पैरों के सहारे जमीन पर मजबूती से टिकता है, उसी तरह ये आपके घर, और करियर में भी स्थिरता लाने का काम कर सकता है। इसके अलावा ये माना जाता है कि हाथी घर को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाने में भी सहायक रहते हैं।

घर में हाथी का जोड़ा किस दिशा में रखें

हाथी के जोड़े का फायदा तभी सही तरह मिलता है जब उसे ठीक दिशा में स्थापित किया जाए। अगर दिशा उलटी हो जाए तो कभी-कभी लाभ की जगह नुकसान वाला प्रभाव भी माना जाता है। हाथी के जोड़े के उत्तर-पूर्व दिशा में रखें इससे घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहेगी। वहीं आप धन और करियर में वृद्धि चाहते हैं तो हाथी जोड़े को उत्तर दिशा में रखें, यह दिशा कुबेर देव की मानी जाती है।

कैसा हाथी का जोड़ा खरीदना चाहिए?

हमेशा वो हाथी चुनें जिस की सूंड ऊपर की तरफ हो, हाथी का ये जोड़ा ही बेहतर समझा जाता है। वहीं सूंड नीचे वाले हाथी को कई लोग वैराग्य का संकेत मानते हैं। तो आइए जानते हैं कि कैसा हाथी का जोड़ा घर लाना चाहिए।

पीतल का हाथी- व्यापार, और धन वृद्धि के लिए सबसे उम्दा माना जाता है।

चांदी का हाथी- मन की शांति और चंद्र दोष को दूर करने के लिए।

लकड़ी का हाथी- घर के भीतर स्थिरता और सुकून वाली सकारात्मकता के लिए जाना जाताहै।

बारिश में फिट कैसे रहें?

बारिश का मौसम जहां एक ओर भीषण गर्मी से राहत देता है, वहीं दूसरी ओर यह कई मौसमी बीमारियों और संक्रमणों का खतरा भी बढ़ा देता है। विशेष रूप से मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियां मानसून के दौरान तेजी से फैल सकती हैं। बारिश के कारण जगह-जगह पानी जमा होने से मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल वातावरण बन जाता है, जिससे संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में केवल स्वादिष्ट मानसूनी व्यंजनों का आनंद लेना ही नहीं, बल्कि अपनी सेहत और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। अगर आप भी इस मानूसन में बीमार पड़ने के बजाय रिमझिम फुहारों का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो इन 5 आसान टिप्स को अपनाकर आप खुद को बिल्कुल फिट रख सकते हैं:

1. डाइट में करें थोड़ा बदलाव यानी खान-पान पर कंट्रोल

बारिश के मौसम में पकौड़े और चाट-पकौड़ी खाने का मन सबसे ज्यादा करता है, लेकिन यही सबसे बड़ी गलती होती है।

स्ट्रीट फूड से तौबा : इस मौसम में बाहर का खुला खाना, कटी हुई सब्जियां, फल और गंदा पानी 'टायफायड' और 'डायरिया' जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं। इसलिए बाहर खाने से बचें।

हरी पत्तेदार सब्जियों को कहें 'ना' : बारिश में पालक, मेथी, बंदगोभी जैसी पत्तेदार सब्जियों में कीड़े और बैक्टीरिया पनपने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। अगर खाएं भी, तो उन्हें गुनगुने पानी और नमक से अच्छी तरह धोकर, उबालकर ही खाएं।

इम्यूनिटी बूस्टर अपनाएं : अपनी चाय या काढ़े में अदरक, तुलसी, काली मिर्च, लौंग और हल्दी का इस्तेमाल बढ़ा दें।

2. पानी उबालकर ही पीएं

मानसून में जल जनित रोग बहुत तेजी से फैलते हैं क्योंकि इस मौसम में पीने के पानी के सोर्स जल्दी दूषित हो जाते हैं। हमेशा पानी को उबालकर और छानकर पीएं। अगर आप ट्रेवल कर रहे हैं, तो केवल सीलबंद भरोसेमंद ब्रांड का ही पानी पीएं। शरीर को हाइड्रेटेड रखना इस मौसम में भी उतना ही जरूरी है जितना गर्मी में।

3. पर्सनल हाइजीन/ व्यक्तिगत स्वच्छता का रखें खास ध्यान

नमी के कारण इस मौसम में फंगल इन्फेक्शन और स्किन एलर्जी बहुत आम हो जाती है।

भीगने पर तुरंत नहाएं : अगर आप बारिश के पानी में भीग गए हैं, तो घर आकर साफ पानी और एंटी-बैक्टीरियल साबुन से तुरंत नहाएं और खुद को अच्छी तरह सुखाएं।

गीले कपड़े और जूते न पहनें : कपड़ों या जूतों में थोड़ी भी नमी हो, तो उन्हें न पहनें। फंगल इन्फेक्शन से बचने के लिए पैरों को साफ और सूखा रखें।

एक छोटा सा मंत्र : इस मौसम में 'ताजा खाएं, उबला पानी पीएं और एक्टिव रहें'।

बैठे-बैठे कमजोर हो गई है स्पाइन?

रोज करें ये एक्सरसाइज

लंबे समय तक कुर्सी में बैठकर काम करना, वर्क फ्रॉम होम में बेड पर झुककर लैपटॉप पर देखते हुए काम करना और कई बार गलत तरह से सोने की वजह से रीढ़ की हड्डी में दर्द होने लगता है। एक्सपर्ट्स रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। आगे जानते हैं उन एक्सरसाइज के बारे में जो आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाने में मदद कर सकती हैं।

स्पाइन को मजबूत करने के लिए कौन सी एक्सरसाइज करें?

पेल्विक टिल्ट

यह व्यायाम पेट और कमर की गहरी मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिससे रीढ़ को बेहतर सहारा मिलता है। शुरुआती लोगों के लिए यह सबसे सुरक्षित एक्सरसाइज में से एक मानी जाती है। इसे करने के लिए आप पीठ के बल लेट जाएं। घुटनों को मोड़ें और पैर जमीन पर रखें। इसके बाद पेट की मांसपेशियों को हल्का अंदर की ओर खींचें और कमर को धीरे-धीरे फर्श की ओर दबाएं। अब 5-10 सेकंड तक शरीर को रोकें और फिर सामान्य स्थिति में लौट आएं। इसे आप शुरुआत में 6 से 7 बार दोहरा सकते हैं।

बर्ड डॉग

यह एक्सरसाइज रीढ़ को स्थिर रखने वाली मांसपेशियों, ग्लूट्स और कोर को मजबूत करती है तथा संतुलन सुधारती है। इसे करने के लिए आप हाथों और घुटनों को जमीन पर टिकाते हुए बैठें। दायां हाथ और बायां पैर एक साथ सीधा करें। इस पोजीशन में 5 सेकंड रूकें। फिर धीरे-धीरे नॉर्मल पोजीशन में आ जाए, इसके बाद दूसरी ओर दोहराएं।

ग्लूट ब्रिज

ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग मजबूत होने से कमर पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम हो सकता है। इसके करने के लिए आप पीठ के बल लेटें और घुटने मोड़ें। साथ ही, पैरों को जमीन पर रखें। अब कूल्हों को ऊपर उठाएं। शरीर को घुटनों से कंधों तक सीधी लाइन में रखें। करीब 5 सेकंड तक बॉडी को होल्ड करें फिर नॉर्मल पोजीशन में आएं।

कोबरा स्ट्रेच

यह स्ट्रेच रीढ़ की लचीलापन बढ़ाने, छाती खोलने और लंबे समय तक बैठने से होने वाली जकड़न कम करने में मदद कर सकता है। इसे करने के लिए आप पेट के बल लेट जाएं। अब हथेलियां को कंधों के पास रखें। धीरे-धीरे ऊपरी शरीर को ऊपर उठाएं। कमर पर जोर न डालें। इस पोजीशन में आप करीब 10-20 सेकंड रुकें। उसके बाद सामान्य स्थिति में आ जाएं।

रायपुर पश्चिम में राष्ट्रभक्ति और शिवभक्ति का दिखेगा विराट संगम

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रभक्ति के गौरव और सनातन आस्था की ऊर्जा से रायपुर पश्चिम को सराबोर करने वाले आगामी विशाल तिरंगा यात्रा एवं विशाल कांवड़ यात्रा के भव्य आयोजन को लेकर रविवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में दोनों आयोजनों की विस्तृत रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारियों, जनसंपर्क, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों तथा अधिकाधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में रायपुर पश्चिम विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेश मूणत, भाजपा रायपुर जिला अध्यक्ष श्री रमेश ठाकुर, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, नगर निगम सभापति श्री सूर्यकांत राठौर, जिला के पदाधिकारी,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती कृतिका जैन, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री अर्पित सूर्यवंशी, समस्त मंडल अध्यक्षगण, पार्षदगण, एल्डरमैन, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बैठक में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। एक ओर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर निकलने वाली तिरंगा यात्रा को राष्ट्रगौरव के विराट उत्सव का स्वरूप देने का संकल्प दिखाई दिया, वहीं दूसरी ओर विशाल कांवड़ यात्रा को श्रद्धा, संस्कृति और जनभागीदारी का ऐतिहासिक आयोजन बनाने को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह रहा।

तिरंगा केवल ध्वज नहीं, हमारी राष्ट्रीय चेतना और असंख्य बलिदानों की अमर पहचान है—राजेश मूणत

बैठक को संबोधित करते हुए रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने कहा कि तिरंगा यात्रा महज एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारे सम्मान, समर्पण और कृतज्ञता की सार्वजनिक अभिव्यक्ति है। तिरंगे की प्रत्येक लहर हमें उन असंख्य वीरों के त्याग और बलिदान का स्मरण कराती है, जिन्होंने भारत माता की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा, हमारा तिरंगा केवल तीन रंगों से बना ध्वज नहीं है। यह भारत की आत्मा, हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान, एकता, अखंडता और करोड़ों भारतीयों की सामूहिक चेतना का प्रतीक है। जब हजारों हाथों में एक साथ तिरंगा लहराता है, तब उसमें राष्ट्र की एकता और सामर्थ्य का विराट स्वरूप दिखाई देता है। हमारा प्रयास है कि रायपुर पश्चिम की तिरंगा यात्रा ऐसा ही ऐतिहासिक दृश्य प्रस्तुत करे।

श्री मूणत ने कार्यकर्ताओं से कहा कि इस यात्रा को किसी संगठन अथवा सीमित समूह का कार्यक्रम न मानते हुए इसे जन-जन का राष्ट्रोत्सव बनाया जाए। समाज के प्रत्येक वर्ग, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें इस गौरवपूर्ण आयोजन का सहभागी बनाया जाए।उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रायपुर पश्चिम की सड़कों पर जब हजारों नागरिक हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर निकलेंगे, तब पूरा वातावरण भारत माता की जय और वंदे मातरम् के उद्घोष से राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग जाएगा।

आस्था की अविरल धारा है कांवड़ यात्रा—मूणत

विशाल कांवड़ यात्रा का उल्लेख करते हुए श्री मूणत ने कहा कि सनातन संस्कृति में भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और कांवड़ यात्रा की परंपरा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, सेवा, समर्पण और सामाजिक समरसता की जीवंत अभिव्यक्ति है।

मां वैष्णो देवी के दरबार में विधायक पुरन्दर मिश्रा ने प्रदेशवासियों के मंगल की कामना की

ओडिशा प्रवास के दौरान राज्यपाल रमेन डेका जी के साथ पुरन्दर मिश्रा सपत्नीक किये दर्शन-पूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर ओडिशा प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका जी के साथ उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने सपत्नीक बरगढ़ स्थित मां वैष्णो देवी मंदिर पहुंचकर विधि-विधानपूर्वक माता रानी के दर्शन-पूजन किए।

मां के पावन दरबार में विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने समस्त छत्तीसगढ़वासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि मां के चरणों में पहुंचकर मन को अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है।विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि मातारानी की कृपा समस्त छत्तीसगढ़ पर बनी रहे, हर परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आए तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े—यही मां के चरणों में मेरी प्रार्थना है।

उन्होंने कहा कि ओडिशा और छत्तीसगढ़ की आस्था एवं संस्कृति के बीच गहरे और आत्मीय संबंध हैं। धार्मिक यात्राएं न केवल आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करती हैं, बल्कि दोनों प्रदेशों की सांस्कृतिक एकता और भाईचारे को भी नई ऊर्जा प्रदान करती हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका जी के साथ सपत्नीक मां के दर्शन-पूजन का यह अवसर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा के लिए श्रद्धा, आस्था और आत्मिक संतोष से परिपूर्ण रहा।

रेलवे अस्पताल बीमवाय, भिलाई में नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में रेलवे कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों/रेलवे लाभार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप मंडलीय रेलवे अस्पताल, बीमवाय, भिलाई में दिनांक 08.08.2026 को श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल के सहयोग से नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया।यह शिविर डॉ. के पी एस कासीपथी, सी एम एस रायपुर के मार्गदर्शन में तथा डॉ. जेड येरिस्वामी नायक, एडीएमओ बीमवाय, भिलाई एवं डॉ. ए तेजेश यादव, एडीएमओ बीमवाय, भिलाई की उपस्थिति में आयोजित किया गया। शिविर के दौरान श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम द्वारा कुल 63 रेलवे लाभार्थियों की विस्तृत नेत्र जांच की गई। जांच के दौरान आवश्यकतानुसार लाभार्थियों को चश्मे उपलब्ध कराए गए तथा आंखों की देखभाल, आवश्यक सावधानियों एवं आगे के उपचार/फॉलो-अप के संबंध में चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जरूरतमंद लाभार्थियों को सीएमसी आई ड्रॉप भी उपलब्ध कराई गई।शिविर के सफल संचालन में अस्पताल के पैरामेडिकल स्टाफ श्रीमती पूनम तिर्की, श्री मिथिलेश श्री राजकुमार का सक्रिय सहयोग रहा। शिविर में अस्पताल स्टाफ एवं रेलवे लाभार्थियों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग से कार्यक्रम सुचारू एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।रायपुर रेल मंडल द्वारा इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से अपने कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

धर्म करत संसार सुख धर्म करत कल्याण धर्म पंथ सादे बिना नर त्रियंच समान : एलक धैर्य सागर जी महाराज

देव-शास्त्र-गुरु में अटूट विश्वास रखे कल्याण होगा: मुनि श्री आगम सागर जी महाराज

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड में मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ससंघ विराजमान हैं रविवारीय प्रवचन श्रृंखला में श्रद्धालुओं ने बड़ी उपस्थिति दर्ज कर गुरुकी वाणी को श्रवण किया।

प्रवचन में मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ने कहा कि हिंसा, झूठ, कुदृष्टि तथा देव-शास्त्र-गुरु की निंदा जैसे पापकर्म जीव को दुर्गति की ओर ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि वीतरागी भगवान और देव-शास्त्र-गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा रखते हुए मनुष्य जन्म को धर्म, संयम और आत्मकल्याण में लगाना चाहिए।

एलक धैर्य सागर जी महाराज ने धर्म का सच्चा स्वरूप बताते हुए कहा कि धर्म करत संसार सुख धर्म करत कल्याण धर्म पंथ सादे बिना नर त्रियंच समान, जीवन में सबसे बड़ा धर्म है जो हमारा औरा सकारात्मक बनता है एवं हमें एवं हमारी आत्मा को ऊंचाइयां प्रदान करने वाला है।

ज्ञात है कि प्रात: काल की बेला में श्री पुनीत सागर जी महाराज तत्त्वार्थ सूत्र तथा मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ने छ: ढाला ग्रंथ का अध्ययन करा रहे हैं।

वर्षायोग- समिति के अध्यक्ष नरेंद्र जैन गुरुकृपा एवं कार्यकारी अध्यक्ष संजय नायक जैन ने सभी धर्म अभिलंबियों से सभी धार्मिक आयोजनों में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की।

रविवार को सभी के वात्सल्य भोज की व्यवस्था श्री आजाद- श्रीमती सुधा जैन परिवार शंकर नगर द्वारा की गई तथा प्रवचन सभा का संचालन श्री राजेश जैन रज्जन द्वारा किया गया।

शुभारंभ फाउंडेशन ने मनाया सावन उत्सव, महिलाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

रायपुर (विश्व परिवार)। शुभारंभ फाउंडेशन, रायपुर द्वारा 8 अगस्त को 'सावन उत्सव' एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में 50 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें शिव के रूप में अनुराधा राव एवं पार्वती की भूमिका में लक्ष्मी जितहरे ने प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया, इसके साथ ही सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मीनू व्यास रहीं, द्वितीय स्थान पर कोमल जी एवं तृतीय स्थान पर प्राची उरकुडे व स्वाति जी रही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ अनुभव साझा किए तथा आयोजन का आनंद लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती सीमा कंटकार जी ने सभी महिलाओं का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। सभी को आकर्षक गिफ्ट भी दिए गए। इसमें संयोजिका अरुण वोरा, लक्ष्मी जी, अन्नपूर्णा शर्मा, शीला प्रजापति, प्रीतिदास गुप्ता गौरी अवधिया आदि महिलाओं के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

रोटरी क्लब रायपुर ग्रेटर द्वारा बृहद वृक्षारोपण अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। रोटरी क्लब रायपुर ग्रेटर के संस्थापक ऋह्लठ्ठ एस के अग्रवाल जी ने वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए अमलेश्वर स्थित मारुति वंडर 7 सिटी में आयोजित बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में गुलमोहर का पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की.भारतीय संस्कृति में वृक्षों को जीवनदाता माना गया है जो आध्यात्मिक चेतना तथा पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है. इस अभियान के अंतर्गत वंडर 7 सिटी के मुख्य मार्ग में 100 से अधिक पौधे रोपे गए.इस अवसर पर रोटरी क्लब के सदस्यों और वंडर 7 सिटी के संचालकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया.

क्लब अध्यक्ष ऋह्लठ्ठ संजय करकरे ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं बल्कि हमारी हमारी सांस्कृतिक विरासत और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है.क्लब के पूर्व अध्यक्ष ऋह्लठ्ठ ऋषि गुप्ता व संचालक गणों ऋह्लठ्ठ रविकांत यादव , ऋह्लठ्ठ निशा देवांगन , ऋह्लठ्ठ मनीष राज्यवर्धन, ऋह्लठ्ठ राजेश चौरसिया ने कहा कि वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाये गए पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए और उसके पालन पोषण की ज़िम्मेदारी भी निभायें.मारुति 7 वंडर सिटी के संचालक ऋह्लठ्ठ मोनेंद्र छाबड़ा जी ने अपने आच्छादित परिसर में पौधारोपण करने का संकल्प लिया और रोटरी क्लब सदस्यों ने एक एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान दिया.क्लब के प्रोग्राम चेयरमैन ऋह्लठ्ठ राजेश चौरसिया ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से समाज के प्रति आत्मीयता और जिम्मेदारी का भाव विकसित हुआ है. अंत में उपस्थित सभी रोटरी साथियों एवं विशेष रूप से मारुति वंडर 7 सिटी के संचालक ऋह्लठ्ठ मोनेन्द्र सिंह छाबड़ा जी एवं उनके कर्मचारियों को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया गया..

सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब एक दशक बाद करेंगे रायपुर का दौरा

रायपुर। विश्वभर के दाऊदी बोहरा समुदाय के 53वें धर्मगुरु, परम पावन सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब सोमवार 10 अगस्त को मुंबई से रायपुर के स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। सैयदना साहेब का भव्य स्वागत करने के लिए हजारों की संख्या में समुदाय के सदस्य कम्युनिटी सेंटर में एकत्र होंगे। रायपुर में अपने प्रवास के दौरान, सैयदना साहब समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगे और उन्हें आस्था व सामाजिक जिम्मेदारी के विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। उनके आमानाका में नवनिर्मित मस्जिद का उद्घाटन करने की भी उम्मीद है।रायपुर में दाऊदी बोहरा समुदाय के मीडिया समन्वयक इदरीस हैदरी ने कहा, पिछले दस वर्षों में सैयदना साहब का यह पहला रायपुर दौरा है, और यहाँ के परिवारों में इसे लेकर उत्सुकता असाधारण है। हम में से कई लोगों के लिए, विशेष रूप से हमारे बच्चों और समुदाय के युवा सदस्यों के लिए, यहाँ रायपुर में सैयदना साहब से मिलने का अवसर पाना एक ऐसा अनुभव होगा जिसे वे कई वर्षों तक याद रखेंगे।सैयदना साहब नियमित रूप से भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दाऊदी बोहरा समुदायों की यात्राएं करते हैं। ये यात्राएं समुदाय के सदस्यों के साथ सीधे संवाद का अवसर प्रदान करती हैं और अक्सर शिक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी, आर्थिक भलाई तथा व्यापक समाज की सेवा पर केंद्रित स्थानीय पहलों को एक नई गति देती हैं।रायपुर 400 से अधिक दाऊदी बोहरा परिवारों का निवास स्थान है, जहाँ समुदाय के सदस्य हार्डवेयर, कृषि उपकरण, प्रिंटिंग और कपड़ा (टेक्सटाइल) सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

विश्व आदिवासी दिवस समाज की संस्कृति, अधिकारों और सम्मान की रक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नेवई में आदिवासी समाज की समृद्ध , संस्कृति, परंपराओं, भाषा कला एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा आदिवासी समुदायों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा का संकल्प लिया गया डॉ नीलाजंना जैन ने विद्यार्थियों को इस दिन का महत्व कि 9 अगस्त 1982 को संयुक्त राष्ट्र की वर्किंग ग्रुप की पहली बैठक हुई थी और इसी तारीख की याद में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने की परंपरा बन गई। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 23 दिसंबर 1994 को 9 अगस्त को आधिारिक रूप घोषित किया 7 आदिवासी समाज हमारे देश की प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये सभी प्रकृति के बहुत करीब रहकर जीवन जीते है। पेड-पौधे नदियों पहाड़ो और वन्य जीवों का सम्मान करते है और भारत की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध बनाते है।

आदिवासी समाज की कला और लोकनृत्य भी बहुत समृद्ध हैं। पारंपरिक नृत्य, संगीत, चित्रकला, हस्तशिल्प, मिट्टी की कला और लकड़ी की कलाकृतियां उनकी पहचान को दर्शाती हैं। त्योहारों और विशेष अवसरों पर किए जाने वाले लोकनृत्य और लोकगीत समाज के लोगों को आपस में जोड़ते हैं। इस अवसर पर उपस्थित श्रीमती शशिकला वर्मा, उषाकिरण , ज्योति वर्मा, अमृता यादव, अनिता ठाकुर, संत ज्ञानेश्वर मरकाम , दीप्तिरानी, तृप्ति भारती, रेखा साहू , आकाश बंजारे, धनेश यादव, तक्षक बरेठ तथा वार्ड पार्षद आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने समाज की एकता गरिमा, और अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिवद्धता व्यक्त की।

बालिकाओं की सेहत से खिलवाड़ नहीं आयोग का सख्त संदेश

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कोरबा के अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास, सिविल लाइन थाना और बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। जिसमें अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास में बच्चों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त शौचालय नहीं होने और बालिकाओं के लिए सैनेटरी पैड उपलब्ध नहीं होने पर डॉ. शर्मा ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र की बालिकाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़े विषयों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आवश्यक सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित की जानी चाहिए। सिविल लाइन थाने के निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाल कल्याण अधिकारी की व्यवस्था की जानकारी ली और संवेदना कक्ष का अवलोकन किया। उन्होंने संवेदना कक्ष को और अधिक बाल सुलभ एवं संवेदनशील बनाने पर जोर दिया। बाल संप्रेक्षण गृह के निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने पाया कि पिछले निरीक्षण के बाद संस्था में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं।

सोलर-असिस्टेड यात्री कोच के माध्यम से भारतीय रेल का हरित परिवहन की दिशा में एक और कदम

रायपुर (विश्व परिवार)। हरित रेलवे संचालन की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए, भारतीय रेल ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में सोलर-असिस्टेड यात्री कोच विकसित किया है। यह पहल ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी को पारंपरिक रेलवे कोचिंग स्टॉक के साथ एकीकृत करने को दर्शाती है। परंपरागत रूप से, आईसीएफ यात्री कोचों में विद्युत शक्ति का उत्पादन कोच के नीचे लगाए गए एक्सल-चालित अल्टरनेटर के माध्यम से किया जाता है। कोच के एक्सल से जुड़े बेल्ट सिस्टम के माध्यम से यांत्रिक रूप से संचालित यह अल्टरनेटर कोच की बैटरी बैंक को चार्ज करता है और प्रकाश व्यवस्था, पंखे तथा मोबाइल चार्जिंग जैसी यात्री सुविधाओं के लिए विद्युत आपूर्ति करता है। यह प्रणाली दशकों से भारतीय रेल के लिए प्रभावी रूप से कार्य कर रही है, हालांकि यह ट्रेन की गति पर निर्भर करती है तथा इसमें यांत्रिक और विद्युत रूपांतरण के दौरान ऊर्जा हानि होती है।सोलर-असिस्टेड कोच इस व्यवस्था को और बेहतर बनाता है। कोच की छत पर लगाए गए उच्च दक्षता वाले सोलर फेटोवोल्टिक पैनल सूर्य के प्रकाश से सीधे विद्युत उत्पन्न करते हैं और कोच की बैटरी बैंक की चार्जिंग में अतिरिक्त योगदान देते हैं। दिनभर उपलब्ध सौर ऊर्जा का उपयोग करते हुए यह प्रणाली पारंपरिक एक्सल-चालित विद्युत उत्पादन पर निर्भरता कम करती है और ऊर्जा के बेहतर उपयोग में मदद करती है। पायलट कोच में लगभग 7 किलोवाट-पीक (द्मङ्ख्रश्च) क्षमता का रूफ्टॉप सोलर सिस्टम लगाया

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354